epaper.dehatsandesh.com

3 कटुआ में धनतेरस पर जमकर की लोगों ने खरीदारी

5 शुभमन गिल ने संभाली कमान, कहा रोहित और विराट से सीखना मेरे लिए गर्व की बात

8 बीएमसी का आदर्श विकास-पथ है जम्मू के लिए मार्गदर्शक

मौसम जम्मू — न्यूनतम 19 — अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-257 | जम्मू तवी, रविवार 19 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

पिछले 9 महीनों में जम्मू-कश्मीर में कोई भी स्थानीय युवा आतंकवादी संगठनों में नहीं हुआ शामिल : शाह

"जम्मू-कश्मीर को उचित समय पर मिलेगा राज्य का दर्जा

पटना, ,18 अक्टूबर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर को उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल करने और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लोगों की माँगों का उचित समाधान करने का वादा किया। पटना में एक मीडिया कॉन्क्लेव में बोलते हुए, उन्होंने यह भी दावा किया कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, आतंकवाद से ग्रस्त जम्मू-कश्मीर ने यू-टर्न लिया है और पिछले नौ महीनों में किसी भी स्थानीय आतंकवादी की भर्ती नहीं हुई है। यह एक गुणात्मक परिवर्तन है जो जम्मू-कश्मीर में देखा गया है, जहाँ 1990 के दशक से अलगाववाद पनप रहा था। पहले, पाकिस्तान को सीमा पार से आतंकवादी भेजने की कोई ज़रूरत नहीं महसूस होती थी। वे हमारे बच्चों के हाथों में हथियार थमा देते थे। अब स्थिति बदल गई है। जम्मू-कश्मीर के लोगों को लगता है कि वे पूरे देश के हैं और पूरा देश उनका है, शाह ने एबीपी न्यूज़ और हिंदुस्तान द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव में कहा। गृह मंत्री ने कहा, आज जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र बहाल हो गया है। पंचायत और नगरपालिका चुनाव हो चुके हैं, और विधानसभा चुनाव भी हो चुके हैं। राज्यसभा चुनाव भी कुछ समय में होंगे। उनसे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के एक बयान के बारे में पूछा गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके शपथ ग्रहण के एक साल बाद भी राज्य का दर्जा बहाल न होने के कारण जम्मू-कश्मीर और नई दिल्ली के बीच एक खाई बनी हुई है। शाह ने जवाब दिया, हो सकता है कि वह (अब्दुल्ला) राजनीतिक मजबूरियों के कारण ऐसा कह रहे हों। लेकिन राज्य का दर्जा उचित समय पर बहाल किया जाएगा। और यह उनके साथ चर्चा के बाद किया जाएगा।लद्दाख में हालिया आंदोलन के बारे में, शाह ने कहा कि केंद्र सरकार लेह और कारगिल की समितियों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा, हम लोगों से धैर्य रखने का आग्रह करते हैं। उनकी सभी जायज़ मांगों का एक अच्छा समाधान होगा। इशारा शायद लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के संयुक्त नेतृत्व की ओर था, जो लद्दाख के राजनीतिक और नागरिक समाज समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री से शिक्षक से कार्यकर्ता बने सोनम वांगचुक की रिहाई की संभावना के बारे में भी पूछा गया, जो लेह में भाजपा कार्यालय में आग लगाने और कुछ अन्य सार्वजनिक भवनों में तोड़फोड़ करने के विरोध प्रदर्शनों को भड़काने के आरोप में जेल में हैं। शाह ने जवाब दिया, मैं लोगों की मांगों के बारे में बात कर सकता हूँ। किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं। जहाँ तक उनके (वांगचुक) मामले का सवाल है, मामला अदालत में है, जो उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर फैसला करेगी। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार माओवादी उग्रवाद के खिलाफ एक निर्मम अभियान चला रही है और अति-वामपंथी विचारधारा पर आदिवासी क्षेत्रों को अविकसित रहने के लिए मजबूर करने का पाप करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से 11 वर्षों में हमने कम से कम 600 माओवादी शिविरों को ध्वस्त कर दिया है, उनके वित्तीय संसाधन समाप्त कर दिए हैं और हथियारों तक उनकी पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है। मैं घोषणा करना चाहता हूं कि 31 दिसंबर, 2026 तक माओवाद का पूरी तरह से सफाया कर दिया जाएगा। हमारे व्हाट्सएप चैनल को फॉलो करने के लिए यहाँ 7006119090 फ़ोन करें।

कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं किसान : शिवराज सिंह चौहान

शहीदों को किया नमन, स्मारक के सौंदर्यीकरण के निर्देश

गोरखपुर, 18 अक्टूबर। चौरीचौरा की क्रांतिकारी भूमि डुमरी खुर्द में शनिवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से फसलों एवं कृषि से जुड़ी समस्याओं पर संवाद किया। किसानों ने अपनी परेशानियों को साझा किया, जिन पर कृषि मंत्री ने समाधान का भरोसा दिया।

चौपाल के दौरान कृषि मंत्री पहले मंच पर पहुंचे, लेकिन तत्पश्चात मंच से उतरकर खटिया पर बैठ गए और वहीं से किसानों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा हैं। किसान अन्नदाता हैं और अन्नदाता भगवान का स्वरूप हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के हित में अनेक ऐतिहासिक कदम उठा रही है। गेहूं का समर्थन मूल्य 160 रुपए बढ़ाकर 2585 रुपए किया गया है, चना पर 225, मसूर पर 300 और सरसों पर 250 की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि दलहन-तिलहन की खेती के साथ-साथ एकीकृत कृषि को बढ़ावा देने की जरूरत है।

मंत्री ने किसानों को फल, फूल, चना, मसूर, सरसों की खेती के साथ पशुपालन, मधुमक्खी पालन, बकरी पालन और मुर्गी पालन जैसी वैकल्पिक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि एफपीओ बनाकर हजारों किसानों को एक साथ जोड़कर स्वयं की अर्थव्यवस्था को मजबूत करें, केंद्र सरकार एफपीओ को हर संभव सहयोग दे रही है।

इस मौके पर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने किसानों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर लाभ प्राप्त करें। डीबीडब्लू-303 और 222 किस्म पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। साथ ही बताया कि गेहूं 24, चना 52 और मटर 36 प्रति किलो सरकारी दर से उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि गोरखपुर जिले के पांच हजार किसानों को सरसों का मिनी किट वितरित किया जाएगा।

इससे पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने कृषि मंत्री का अंगवस्त्र और गुलदस्ता देकर स्वागत किया। वहीं किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, भाजपा जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, विधायक ई. सरवन निषाद सहित अन्य नेताओं ने भी स्वागत किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चौरीचौरा शहीद स्मारक पहुंचकर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने वहां के टूटे हुए स्तंभ की मरम्मत कराने के निर्देश दिए और कहा कि चौरीचौरा की यह ऐतिहासिक धरती उन्हें गर्व का अनुभव कराती है।

इस दौरान विधायक ई. सरवन निषाद, बांसगांव विधायक डॉ. विमलेश पासवान और डीएम दीपक मीणा ने शहीद स्मारक की दुर्दशा पर नाराजगी जताई और पर्यटन विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई। विधायक डॉ. पासवान ने कहा कि यदि बजट नहीं है, तो हमसे लेकर स्मारक का सौंदर्यीकरण कराएं।

विधायक ई. सरवन निषाद के नेतृत्व में निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर लगाकर कृषि मंत्री का फूल-माला से भव्य स्वागत किया। मंत्री ने इस सम्मान के लिए कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति के लिए आठ सदस्यों को किया नामित

श्रीनगर, 18 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष एडवोकेट अब्दुल रहीम राथर ने शनिवार को विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) के लिए आठ सदस्यों को नामित किया।

अब्दुल रहीम राथर समिति के अध्यक्ष होंगे और अन्य सदस्यों में विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा, अली मोहम्मद सागर, मुबारिक गुल, मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, गुलाम अहमद मीर, सज्जाद गनी लोन, मीर मोहम्मद फैयाज और चौधरी मोहम्मद अकरम शामिल हैं।

यह समिति विधानसभा सत्रों के दौरान कार्य संचालन और सदस्यों के बीच समन्वय की देखरेख करेगी।

जम्मू-कश्मीर में डेंगू का प्रकोप जारी

कटुआ, 18 अक्टूबर। कटुआ के जिला में डेंगू मच्छर का प्रकोप कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है। जारी प्रकोप के बीच शुक्रवार डेंगू मच्छर ने जिला में अलग-अलग स्थानों पर 7 और लोगों को डंक मार दिया। जिससे जिला में अभी तक इस वर्ष डेंगू की चपेट में आने वाले पीड़ितों की संख्या 561 पहुंच गई है। अभी तक कुल 561 पीड़ितों में से 421 स्वस्थ हो चुके हैं और 115 अभी सक्रिय पाजिटिव हैं। जिनका इलाज घरों में ही स्वास्थ विभाग की निगरानी में चल रहा है,जबकि 6 लोग डेंगू से ज्यादा पीड़ित होने के कारण जी.एम.सी. कटुआ में उपचाराधीन हैं।

उक्त नए हुए 7 पाजिटिवों में 3 कटुआ शहर के , जिसमें एक वार्ड 14, एक वार्ड 12 और एक वार्ड 8 का है, जबकि 4 हीरानगर के अलग-अलग गांवों से हैं। जिसमें एक सतूरा, एक मेला, एक छप्पड़ और एक लोंडी गांव का है। जिससे पता चलता है कि डेंगू का प्रकोप गांवों में भी फैल रहा है। हालांकि एक रैपिड टैस्ट में भी पाजिटिव मिला है लेकिन उसकी पुष्टि लैब टैस्ट के बाद ही स्वास्थ्य विभाग करता है। तेजी से फैल रहे प्रकोप के कारण स्वास्थ्य विभाग रैपिड टैस्ट भी कर रहा है। जिसके चलते अब तक 96 रैपिड टैस्ट में पाजिटिव पाए जा चुके हैं। जिनमें से 79 स्वस्थ हो चुके हैं और 15 सक्रिय पाजिटिव हैं।

26 अक्टूबर को बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक सोनू निगम की आवाज़ घाटी में गूंजेगी

श्रीनगर 18 अक्टूबर । पहलगाम हमले के महीनों बाद श्रीनगर एक संगीतमय कार्यक्रम का गवाह बनने के लिए पूरी तरह तैयार है जहाँ बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक सोनू निगम डल झील के किनारे मंच पर प्रस्तुति देंगे। यह संगीत कार्यक्रम महान गायक मोहम्मद रफ़ी को भावभीनी श्रद्धांजलि है जो रविवार 26 अक्टूबर को श्रीनगर के एसके इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। दो घंटे का यह कार्यक्रम एक अविस्मरणीय अनुभव का वादा करता है जहाँ सोनू निगम की आवाज़ घाटी में गूंजेगी और रफ़ी साहब की सदाबहार धुनों के साथ आधुनिक ऊर्जा का मिश्रण होगा। यह कॉन्सर्ट सभी उम्र के लोगों के लिए खुला है, जिसके टिकट डिस्ट्रिक्ट इवेंट्स की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा ने नगरोटा विधानसभा उपचुनाव के लिए दाखिल किया नामांकन

जम्मू, 18 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार देवयानी राणा ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के नगरोटा विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस उपचुनाव के लिए मतदान 11 नवंबर, 2025 को होना है।

देवयानी राणा ने वरिष्ठ भाजपा नेताओं और हजारों समर्थकों के साथ जम्मू में रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन का पर्चा दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए देवयानी राणा ने कहा कि वह नगरोटा से चुनाव लड़कर सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्वाचन क्षेत्र के लोग उन्हें भी वैसा ही समर्थन और आशीर्वाद देंगे, जैसा उन्होंने उनके दिवंगत पिता देवेंद्र सिंह राणा को दिया था।

देवयानी राणा ने कहा कि उनके पिता की सबसे बड़ी विरासत उनकी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और सभी के प्रति गहरा सम्मान है। राणा साहब सभी के साथ प्यार और सम्मान से पेश आते थे। मैं इन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाना चाहती हूं।

जम्मू-कश्मीर में आरक्षण नीति पर कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट स्वीकार : मुख्यमंत्री उमर

श्रीनगर, 18 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आरक्षण नीति पर कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट को कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है और इसे मंजूरी के लिए उपराज्यपाल के पास भेजा जाएगा। उमर अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अटकलें लगाने का कोई मतलब नहीं है। इसमें क्या प्रस्तावित किया गया है, यह केवल कैबिनेट के सदस्यों को ही पता है। इसलिए इस समय यह अनुमान लगाना सही नहीं होगा कि क्या कटौती की जा रही है। कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट को कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है। विभाग को कैबिनेट की मंजूरी के लिए एक ज्ञापन तैयार करने को कहा गया है। इसके बाद कैबिनेट के सभी फैसलों की तरह इसे भी उपराज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री विपक्ष द्वारा उनकी सरकार पर आरक्षण नीति में पिछड़े क्षेत्र के निवासी (आरबीए) श्रेणी के कोटे में कटौती का आरोप लगाने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राजभवन पहुँचने से पहले रिपोर्ट की विषय-वस्तु पर टिप्पणी करना उनके लिए अनुचित होगा।उन्होंने कहा कि मेरे लिए अब उपराज्यपाल के पास ज्ञापन पहुँचने से पहले उस ज्ञापन की विषय-वस्तु पर चर्चा शुरू करना गलत होगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण रिपोर्ट उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद ही घोषित की जाएगी।

घाटी में पर्यटन क्षेत्र को मज़बूत करने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं :अंशुल गर्ग

श्रीनगर, 18 अक्टूबर । कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने शनिवार को कहा कि घाटी में पर्यटन क्षेत्र को मज़बूत करने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं जिसमें शीतकालीन पर्यटन को पुनर्जीवित करने और चल रही विकासात्मक पहलों के माध्यम से श्रीनगर शहर के सौंदर्य आकर्षण को बढ़ाने पर विशेष ज़ोर दिया जा रहा है।

एसकेयूएएसटी कश्मीर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए अंशुल गर्ग ने कहा कि प्रशासन बुनियादी ढाँचे के विकास, सौंदर्यीकरण अभियानों और स्थानीय आकर्षणों को बढ़ावा देकर पर्यटन अर्थव्यवस्था को एक नया बल देने पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि आगामी शीतकालीन सीज़न में कश्मीर भर में पर्यटन गतिविधियों में नई जान फूँकी जाएगी जिसमें पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए शीतकालीन-विशिष्ट कार्यक्रमों और सुविधाओं का शुभारंभ भी शामिल है।

कल्मिकिया में अवशेषों का प्रदर्शन भारत-रूस संबंधों को करेगा मजबूत : सिन्हा

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि कल्मिकिया में अवशेषों का प्रदर्शन भारत-रूस संबंधों को मजबूत करेगा। यह आयोजन कल्मिकिया के लोगों के लिए आस्था की ऐतिहासिक घर वापसी है। कल्मिकिया यूरोप का एकमात्र बौद्ध बहुल क्षेत्र है। यह आयोजन दो देशों के बीच आध्यात्मिक मित्रता और सांस्कृतिक सेतु का प्रतीक है और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं की एकता को विश्व पटल पर दर्शाता है।

रूस के कल्मिकिया से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के प्रदर्शन के बाद शुक्रवार को इन्हें भारत वापस लाने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे मनोज सिन्हा ने मीडिया कहा कि कल्मिकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन भारत और रूस के बीच जनता से जनता के संबंधों को और मजबूत करेगा। मनोज सिन्हा ने प्रतिष्ठित गेड़ेन शेड्रुप चोइकोर्लिंग मठ में अवशेषों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने खातक अर्पित किया, दीप प्रज्वलित किया और बाकुला रिनपोछे के समक्ष प्रार्थना की। उन्होंने शाजिन लामा को कश्मीरी शॉल भी भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 19 अक्टूबर को अवशेषों के साथ भारत लौटेगा। अब तक 90 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मठ में अवशेषों को नमन किया।

किसान मेला आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर सार्थक आदान-प्रदान का एक मंच प्रदान करता है :जाविद डार

बारामुला 18 अक्टूबर। कृषि उत्पादन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता एवं चुनाव विभाग के मंत्री जाविद अहमद डार ने डाकबंगला बारामुला में किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। किसान मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, जिला बारामुला द्वारा किया गया था। शुरुआत में, मंत्री जाविद डार ने कृषि, बागवानी, रेशम उत्पादन, पशुपालन, भेड़पालन, संबद्ध क्षेत्र और अन्य हितधारकों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने उनसे बातचीत की और किसानों के कल्याण के लिए

योजनाओं को प्रदर्शित करने वाले स्टॉलों के बारे में जानकारी ली। जनसमूह को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि यह किसान मेला किसानों, कृषि विशेषज्ञों, कृषि उद्यमियों और संस्थानों को जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो आधुनिक तकनीकों, सरकारी योजनाओं और हमारे कृषक समुदाय को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करता है। उन्होंने आगे बताया कि इस आयोजन के मुख्य आकर्षणों में उन्नत फसल किस्मों और पशु नस्लों की प्रदर्शनी, कृषि मशीनरी का प्रदर्शन, नवीन तकनीकों का प्रदर्शन, उन्नत कृषि मशीनरी और तकनीकों का प्रदर्शन, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना और फसल उपज में सुधार शामिल हैं।

उपचुनाव के लिए सभी विकल्प खुले: कर्रा

श्रीनगर, 18 अक्टूबर । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने कहा कि बडगाम और नगरोटा उपचुनाव को लेकर पार्टी के लिए सभी विकल्प खुले हैं। अधिकारी के अनुसार इस सवाल के जवाब में कि क्या कांग्रेस बडगाम और नगरोटा दोनों सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, कर्रा ने कहा कि सभी विकल्प खुले हैं।

मैंने अपनी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दी है और वे इसकी समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उन्हें नगरोटा सीट की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमें इसकी पेशकश की है। हमने केंद्रीय आलाकमान के समक्ष अपना मामला पेश किया है और हम उनकी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या स्मार्ट मीटर पर उमर अब्दुल्ला का बयान पार्टी के लिए समस्या बनेगा, कर्रा ने कहा कि यह नेशनल कॉन्फ्रेंस को समझाना है। उन्होंने कहा कि हमें इससे कोई दिक्कत नहीं है। यह हमारे घोषणापत्र में नहीं था।

राजनाथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई

लखनऊ,18 अक्टूबर। रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को पुष्ट करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को संयुक्त रूप से यहाँ ब्रह्मोस एकीकरण एवं परीक्षण सुविधा केंद्र में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई। उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के एक प्रमुख घटक, इस अत्याधुनिक सुविधा का राजनाथ ने 11 मई, 2025 को वर्चुअल उद्घाटन किया था और पाँच महीनों के भीतर, मिसाइलों की पहली खेप तैनाती के लिए तैयार हो गई। इस अवसर पर बोलते हुए, राजनाथ ने ब्रह्मोस को केवल एक मिसाइल नहीं, बल्कि राष्ट्र की बढ़ती स्वदेशी क्षमताओं का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, इस मिसाइल में एक पारंपरिक वारहेड और एक उन्नत निर्देशित प्रणाली है और यह

ब्रह्मोस की जद में पाक का एक-एक इंच इलाका, ऑपरेशन सिंदूर तो बस एक ट्रेलर था : राजनाथ

सुपरसोनिक गति से लंबी दूरी तक वार करने की क्षमता रखती है। गति, सटीकता और शक्ति का यह संयोजन ब्रह्मोस को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों में से एक बनाता है। यह हमारे सशस्त्र बलों की रीढ़ बन गई है। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, राजनाथ ने कहा कि इस मिसाइल ने दिखाया है कि यह एक परीक्षण से कहीं आगे बढ़ गई है

दंत चिकित्सक केवल चिकित्सक नहीं हैं, वे निवारक, प्रणालीगत स्वास्थ्य सेवा का अभिन्न अंग हैं:सकीना इत्तू

श्रीनगर, 18 अक्टूबर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में 16वें भारतीय दंत चिकित्सा संघ जम्मू-कश्मीर दंत सम्मेलन को संबोधित किया।सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री सकीना ने जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने में दंत चिकित्सकों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौखिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य की आधारशिला है और इसे सामान्य स्वास्थ्य सेवा नीतियों में और अधिक प्रमुखता से शामिल किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मौखिक स्वास्थ्य आमतौर पर अधिकांश व्यक्तियों द्वारा अनदेखा किया जाने वाला पहलू है, लेकिन हाल के दिनों में लोगों ने यह समझ लिया है कि मधुमेह, हृदय संबंधी बीमारियों और श्वसन संक्रमण जैसी प्रणालीगत बीमारियों की रोकथाम में मौखिक स्वास्थ्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में मौखिक स्वच्छता और दंत चिकित्सा जाँच लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए एक आवश्यक दिनचर्या बन गई है। उन्होंने दंत चिकित्सकों और प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे लोगों को नियमित मौखिक स्वच्छता और दंत चिकित्सा जाँच को अपनी स्वास्थ्य देखभाल दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बनाने के बारे में जागरूक करें। दंत चिकित्सकों के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं को स्वीकार करते हुए, मंत्री सकीना ने इस बात पर जोर दिया कि दंत चिकित्सक एमबीबीएस डॉक्टरों जितने ही महत्वपूर्ण हैं

चीन, भारत के बीच हवाई संपर्क फिर से शुरू होने पर चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस फिर से शुरू करेगी उड़ानें

- चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने कहा- शंघाई पुडोंग से दिल्ली के लिए उड़ानें 9 नवंबर से होंगी शुरू

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। चीन और भारत के बीच हवाई संपर्क फिर शुरू होने के बीच चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस शंघाई ने 9 नवंबर से चीन और दिल्ली (भारत) के बीच राउंड-ट्रिप उड़ानें शुरू करेगी। इनको एयरबस-330-200 वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट से चलाया जाएगा। चीन के राज दूतावास से शनिवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार चीन और भारत के बीच ये उड़ानें प्रत्येक बुधवार, शनिवार और रविवार को संचालित की जाएंगी। ये उड़ान, MUz63, शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट से दोपहर 12:50 बजे निकलेगी और स्थानीय समय के हिसाब से शाम 5: 45 बजे नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेगी। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस की वापसी उड़ान, MUz64, दिल्ली से शाम 7:55 बजे निकलेगी और अगले दिन सुबह 4 :10 बजे शंघाई पुडोंग पहुंचेगी (सभी समय लोकल टाइम के अनुसार हैं)। इस रूट के लिए टिकट अब बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के मुतरबिक यह रूट शंघाई, चीन और दिल्ली, भारत को जोड़ता है, जो चीन और भारत के बीच सबसे अहम हवाई कॉरिडोर में से एक है। भारत के राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में दिल्ली का चीन के साथ व्यापार, टेक्नोलॉजी, शिक्षा और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस द्वारा इस मार्ग को फिर से शुरू करना इसके चीन-भारत नेटवर्क की पूरी तरह से बहाली का प्रतीक है, जो दोनों देशों के बीच कर्मियों के आदान-प्रदान और आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को नई गति प्रदान करता है।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। **फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर** के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

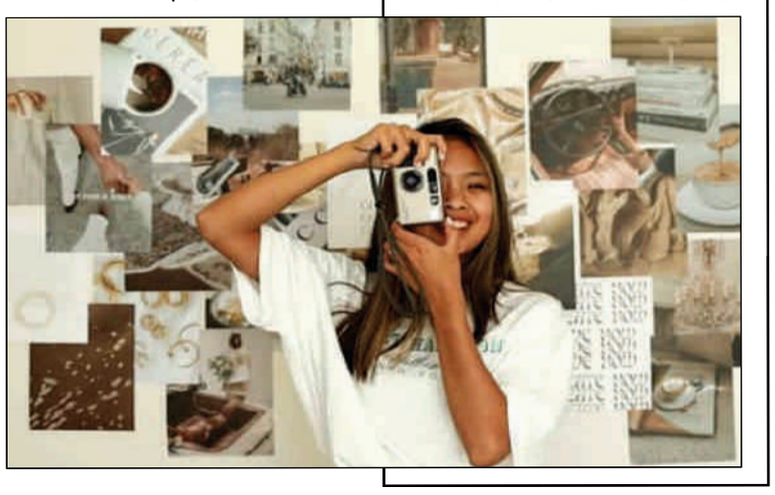

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम, कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरु तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं – टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल **भी थी, आज** भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों **को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण** के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में **कार्य करने** वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों **की न केवल** भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को **रोजगार देने** के लिए बाहें फैलाए **खड़ी है।** सॉफ्टवेयर इंजीनियर **सॉफ्टवेयर** के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने **के चलते** बैंक तेजी से अपनी **शाखाएं बढ़ा रहे हैं,** जिससे इस **क्षेत्र में** रोजगार के हजारों नए **अवसर निर्मित** हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय **अर्थव्यवस्था** के तीव्र विकास के चलते अकाउंटस तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब **लोकप्रियता** अर्जित की है। इस **क्षेत्र में** चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक **अत्यधिक** प्रतिष्ठित करियर **विकल्प** है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में **रोजगार** के ढेरों अवसर हैं। **अधिकांश** सिस्टम्स एनालिस्ट **लागत**-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह **निर्णय लेने** में सहायता करते हैं **कि या** प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

एनसीसी कैडेट्स ने नवाचार प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जम्मू, 18 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू), कटरा के एनसीसी कैडेट्स ने जम्मू, कश्मीर और लद्दाख एनसीसी निदेशालय द्वारा आयोजित आइडिया इनविटेशन प्रतियोगिता में सक्रिय भागीदारी कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स को सामाजिक, पर्यावरणीय और राष्ट्रीय विकास से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए अपने नवोन्मेषी और व्यवहारिक विचार प्रस्तुत करने का अवसर देना था।

प्रतियोगिता में निदेशालय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न इकाइयों और संस्थानों के कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रत्येक प्रतिभागी को रक्षा तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक विकास और राष्ट्र-निर्माण जैसे विषयों पर अपने अनूठे विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह आयोजन युवाओं में सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा देने का एक सशक्त मंच साबित हुआ।

एनसीसी निदेशालय की ओर से एसएमवीडीयू के एनसीसी समन्वयक डॉ. वरुण दत्ता को निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया। निर्णायक मंडल में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे, जिन्होंने नवाचार, व्यवहार्यता, सामाजिक प्रभाव और मौलिकता के आधार पर कैडेट्स के विचारों का मूल्यांकन किया।

एसएमवीडीयू के कैडेट्स को उनके विचारशील और नवाचारी प्रस्तुतियों के लिए निर्णायकों ने सराहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार और रजिस्ट्रार अजय कुमार शर्मा ने कैडेट्स को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और एनसीसी यूनिट के प्रयासों की प्रशंसा की, जो छात्रों को मूल्य-आधारित और राष्ट्र-निर्माण गतिविधियों में भाग लेने के लिए निरंतर प्रेरित करती रहती है।

पूर्व मंत्री गुलचैन सिंह चाढ़क को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

जम्मू, 18 अक्तूबर (हि.स.)। डोगरा सदर सभा के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री ठाकुर गुलचैन सिंह चाढ़क को हजारों की संख्या में लोगों ने आज नम आंखों से अंतिम विदाई दी। उनका शुक्रवार को उनके निवास स्थान ग्रेटर कैलाश जम्मू में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। वह 83 वर्ष के थे। आज मंडल श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान राजनीतिक जगत की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों की आवाज बुलंद करने में समर्पित कर दिया था।

वह अपने पीछे अपनी पत्नी, दो बेटे और और बेटियां और उनके परिवार को छोड़ गए। सांबा जिले के रहने वाले चाढ़क का जन्म वर्ष 1942 में ठाकुर मलूक सिंह चाढ़क के घर में हुआ था जो वर्ष भारतीय सेना में थे।

वह गाँव बस्सी कलां, तहसील साम्बा, ज़िला साम्बा (जम्मू और कश्मीर) और वर्तमान चाडक निवास लेन संख्या 20, ग्रेटर कैलाश जम्मू के रहने वाले थे। वह हिंदी, अंग्रेज़ी, उर्दू, डोगरी, पंजाबी और मराठी भाषा जानते थे। वह 1997 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में जम्मू-कश्मीर विधान परिषद के लिए निर्वाचित हुए। पुंछ और राजौरी के सीमावर्ती जिलों के लिए जिला विकास बोर्ड के अध्यक्ष रहे। जम्मू-कश्मीर विधानमंडल की आचार समिति के अध्यक्ष भी रहे। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टी) के प्रदेश अध्यक्ष और सीडब्ल्यूसी, एआईसीसी (टी) के सदस्य नियुक्त हुए। वह श्री अमर क्षत्रिय राजपूत सभा के अध्यक्ष भी रहे। उनके अंतिम संस्कार में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमन भल्ला, पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह, चंद्र प्रकाश गंगा, सुरजीत सिंह सलाथिया सहित कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के नेताओं ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके राजनीतिक जीवन को याद किया।

विश्व सांख्यिकी दिवस-दैनिक जीवन शोध और नीति-निर्माण में सांख्यिकी के महत्व पर प्रकाश डाला

कठुआ, 18 अक्टूबर (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज महानपुर ने गुणवत्तापूर्ण सांख्यिकी और डेटा की वैश्विक थीम के अनुरूप विश्व सांख्यिकी दिवस 2025 मनाया। कार्यक्रम का आयोजन भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. बिंती शर्मा ने प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन के कुशल मार्गदर्शन में किया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. बिंती शर्मा के परिचयात्मक भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने दैनिक जीवन, शोध और नीति-निर्माण में सांख्यिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सांख्यिकी न केवल हमें तथ्यों और आँकड़ों को समझने में मदद करती है, बल्कि शिक्षा, शासन और विकास में निर्णय लेने के लिए एक वैज्ञानिक आधार भी प्रदान करती है। प्रो. बिंती शर्मा ने इससे पहले अगस्त 2025 में हुई भारी वर्षा और बाढ़ जैसी परिस्थितियों के शैक्षणिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव पर केंद्रित एक सर्वेक्षण के लिए छात्रों से आँकड़े एकत्र किए थे। प्रश्नावली में छात्रों के घरों से कॉलेज की दूरी, दैनिक यात्रा समय, सड़क की स्थिति और प्रभावित दिनों के दौरान उपस्थिति जैसे पहलू शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने दिखाया कि कैसे सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके, कच्चे आँकड़ों से उपयोगी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। एकत्रित आँकड़ों का विश्लेषण दूरी, सड़क पहुँच और उपस्थिति के बीच संबंध को उजागर करने के लिए किया गया। निष्कर्षों ने प्राकृतिक व्यवधानों के कारण छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित किया और शैक्षणिक नुकसान की भरपाई के लिए वैकल्पिक शैक्षणिक सहायता विधियों और उपचारात्मक कक्षाओं जैसे उपायों का सुझाव दिया। कार्यक्रम का समापन शिक्षा क्षेत्र में बेहतर निर्णय लेने हेतु गुणवत्तापूर्ण आँकड़ों के संग्रह और विश्लेषण के महत्व पर चर्चा के साथ हुआ।

राज्य कर विभाग ने दिवाली पर ग्रामीण महिला उद्यमियों का समर्थन किया

जम्मू, 18 अक्टूबर (हि.स.)। दिवाली की सच्ची भावना में जम्मू-कश्मीर राज्य कर विभाग की एक टीम ने अतिरिक्त आयुक्त प्रवर्तन एवं प्रशासन जम्मू, नम्रता डोगरा के नेतृत्व में, यहाँ आबकारी एवं कराधान परिसर में जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन (उम्मीद) के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा लगाए गए स्टॉलों का दौरा किया।

अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक महिला उद्यमियों के साथ बातचीत की और स्थानीय प्रतिभा और आत्मनिर्भरता के प्रति अपनी एकजुटता और प्रोत्साहन प्रदर्शित करते हुए, दीये, सजावटी सामान, मोमबत्तियाँ और अन्य त्योहारी उत्पाद खरीदे।

इस अवसर पर बोलते हुए, नम्रता डोगरा ने स्वयं सहायता समूह सदस्यों की रचनात्मकता और दृढ़ संकल्प की हार्दिक सराहना की। अतिरिक्त आयुक्त ने कहा, ये महिलाएँ न केवल सुंदर उत्पाद बना रही हैं; बल्कि अपने परिवारों और समुदायों के लिए उज्जवल भविष्य का निर्माण भी कर रही हैं। इस दिवाली, मैं व्यक्तिगत रूप से स्वयं सहायता समूहों से खरीदारी करके और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करके उनका समर्थन जारी रखने का संकल्प लेता हूँ। स्थानीय कारीगरों से की गई हर छोटी खरीदारी कई घरों को रोशन करती है।

अपर आयुक्त की देखरेख में आयोजित इस पहल ने स्थानीय उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को उजागर किया। इस कार्यक्रम ने दर्शाया कि कैसे सामूहिक प्रयास और सचेत विकल्प जमीनी स्तर पर त्योहारों की रौनक और सतत विकास ला सकते हैं।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

श्रीनगर, 18 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस), जम्मू और कश्मीर शाखा ने आज श्रीनगर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 82वीं बटालियन के कर्मियों के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) पर एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक कौशल के महत्व पर ज़ोर दिया गया और सुरक्षा बलों को आवश्यक प्राथमिक उपचार ज्ञान से सशक्त बनाया गया ताकि उच्च जोखिम वाले वातावरण में सुरक्षा और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाया जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए कुरैशी ने नागरिकों, विशेष रूप से अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को जीवन बचाने के व्यावहारिक कौशल से लैस करने की आईआरसीएस की प्रतिबद्धता पर ज़ोर देते हुए कहा कि महत्वपूर्ण क्षणों में, समय पर सीपीआर जीवन और मृत्यु के बीच अंतर ला सकता है। इस तरह की पहल जम्मू-कश्मीर में आपातकालीन प्रतिक्रिया में अंतर को पाटती है।

सीपीआर पर जागरूकता सत्र का संचालन प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षक डॉ. शालिंद्र कौर ने कुशलतापूर्वक किया। उन्होंने छाती के संकुचन, बचाव श्वास सहित प्रमुख तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने पुतलों का उपयोग करके हृदय गति रुकने, आघात प्रतिक्रिया जैसे परिदृश्यों का अभ्यास किया जिससे वास्तविक जीवन की आपात स्थितियों के दौरान इन कौशलों को लागू करने का आत्मविश्वास बढ़ा।

जम्मू में कार्तिक मासिक शिवरात्रि 19 अक्टूबर को

जम्मू, 18 अक्टूबर (हि.स.)। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान शिव की आराधना के लिए मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष, ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि इस वर्ष कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 1-52 बजे प्रारंभ होकर 20 अक्टूबर को दोपहर 3-45 बजे समाप्त होगी। चूंकि 19 अक्टूबर की रात्रि को पूर्ण चतुर्दशी रहेगी, इसलिए मासिक शिवरात्रि व्रत रविवार, 19 अक्टूबर को रखा जाएगा। इसी दिन श्री हनुमान जयंती का पर्व भी पड़ रहा है।

पीएमएवाई 2.0 के कार्यान्वयन की प्रगति पर हुई समीक्षा बैठक, आवेदनों के समय पर निपटान और योग्यता-आधारित चयन पर जोर

कठुआ, 18 अक्टूबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत मामलों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा करने के लिए डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने उपायुक्त कार्यालय में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मामलों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को लंबित आवेदनों के सत्यापन और अनुमोदन प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी मामलों का निपटारा योग्यता के आधार पर और योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। उपायुक्त ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि अपूर्ण आवेदनों की शीघ्र जाँच की जाए और उचित कारण बताते हुए उन्हें अस्वीकार कर दिया जाए ताकि वास्तविक लाभार्थी लाभ से वंचित न रहें। उन्होंने कार्यान्वयन के प्रत्येक चरण में पारदर्शिता बनाए रखने और पात्र लाभार्थियों को किश्तों का समय पर वितरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

उपायुक्त ने सभी कार्यकारी एजेंसियों से कठुआ जिले के शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करने के लिए मिशन मोड में कार्य करने का आग्रह किया।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त कठुआ सुरिंदर मोहन शर्मा, मुख्य योजना अधिकारी कठुआ रंजीत ठाकुर, नगर परिषद कठुआ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और नगर समितियों बसोहली, बिलावर, हीरानगर, लखनपुर और पैरोल के कार्यकारी अधिकारी उपस्थित थे।

कठुआ में धनतेरस पर जमकर की लोगों ने खरीदारी

कठुआ, 18 अक्टूबर (हि.स.)। कठुआ में धनतेरस के त्योहार को लेकर बाजारों में काफी चहलपहल रही। शनिवार को धनतेरस पर बर्तनों और स्वर्णकारों की दुकानों में ग्राहकों का तांता लगा रहा। लोगों ने मनपसंद बर्तनों और आभूषणों की खरीदारी की, जिससे दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कराहट आई।

धनतेरस और दीपावली को लेकर जिला कठुआ के दुकानदारों ने अपनी दुकानों को दुलहन की तरह सजा दिया है। दुकानों को आकर्षक तरीके से सजाने के लिए लाइट्स और अन्य सजावटी सामग्री का उपयोग किया गया है। शनिवार को विशेष तौर पर गहने और बर्तनों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। इसके अलावा कुछ लोगों ने धनतेरस पर मोटरसाइकिल, कार और अन्य कीमती सामान की खरीदारी की। दुकानदार विक्की धमालिया, अश्विनी शर्मा, अंकुश ने बताया कि धनतेरस उनके लिए हमेशा शुभ होता है और इस बार भी उन्हें अच्छी बिक्री की उम्मीद है। बर्तनों के विक्रेताओं ने अपनी दुकानों को आकर्षक लुक दिया है और नए डिजाइन के बर्तन पेश किए हैं। सुनारों ने भी अपनी दुकानों को लाइट्स से सजाया है। धनतेरस के त्योहार से न केवल दुकानदारों को बल्कि स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों को भी लाभ होता है। इस त्योहार के दौरान आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है और लोगों को रोजगार के अवसर मिलते हैं। लोगों का मानना है कि धनतेरस पर खरीदारी करना शुभ होता है और इससे घर में सुख-समृद्धि आती है।

जम्मू रेलवे स्टेशन पर त्योहारों के दौरान सुरक्षा और सामान की संयुक्त जाँच अभियान

जम्मू, 18 अक्टूबर (हि.स.)। त्योहारों के मद्देनज़र यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू रेलवे स्टेशन पर आज एक संयुक्त जाँच अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में वाणिज्य विभाग के टिकट जाँच कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। अभियान के दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय और ट्रेनों में यात्रियों के सामान की गहन जाँच की गई। यात्री जागरूक किए गए कि किसी भी प्रकार की विस्फोटक या ज्वलनशील सामग्री, जैसे गैस या पेट्रोल, ट्रेन में ले जाना प्रतिबंधित है। बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की भी टिकट जाँच की गई।

रियासी में बलिदान जवानों की याद में क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल

जम्मू, 18 अक्टूबर (हि.स.)। रियासी के गीता नगर स्थित जिला पुलिस लाइन में आईआरपी की तरफ से बलिदान जवानों की याद में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल शनिवार को संपन्न हुआ। फाइनल मैच में बाबा जीतो क्रिकेट क्लब अगार जीतो ने नृसिंह क्रिकेट क्लब सलाल को 84 रनों से हराकर खिताब जीता।उधमपुर-रियासी रेंज की डीआईजी सराह रिजवी मुख्य अतिथि रही जबकि आईआरपी के डीआईजी विनोद कुमार भी उपस्थित थे।

विजेता टीम को ट्रॉफी और उपविजेता टीम को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। मैच में शानदार 70 रन बनाने वाले बाबा जीतो के बल्लेबाज रोहित सिंह को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

सुरक्षित दिवाली मनाने पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

कठुआ, 18 अक्टूबर (हि.स.)। कठुआ के राजकीय महिला महाविद्यालय के शिक्षा विभाग ने प्रभारी प्राचार्य डॉ. सीमा जॉली की देखरेख में कॉलेज परिसर में आईक्यूएसी के मार्गदर्शन में सुरक्षित दिवाली मनाने पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया।

प्रभारी प्राचाय ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं के सार को प्रतिबिंबित करने वाले ऐसे आयोजन के लिए शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्राओं को त्योहारों को सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने और दिवाली के गहन महत्व अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय को याद रखने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. रचना ने सांस्कृतिक विविधता और एकता को बढ़ावा देने में त्योहारों की भूमिका विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दिवाली जैसे त्योहार न केवल खुशियाँ लाते हैं, बल्कि विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के बीच समझ और एकजुटता को बढ़ावा देकर राष्ट्र के सामाजिक ताने-बाने को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का समापन शिक्षा विभाग की डॉ. ज्योति द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

गिरफ्तारी से बच रहे छह भगोड़े गिरफ्तार

श्रीनगर, 18 अक्टूबर (हि.स.)। श्रीनगर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए छह भगोड़ों को गिरफ्तार किया है जो कई सालों से, कुछ तो दो दशकों से भी ज्यादा समय से गिरफ्तारी से बच रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक बयान में अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर पुलिस ने विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर एक विशेष टीम बनाई जिसने एक लक्षित अभियान चलाया और भगोड़ों को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद आरोपियों को श्रीनगर की माननीय अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेहराज-उद-दीन मराज़ी पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला मराज़ी निवासी सोनवार श्रीनगर - लालबाजार थाना में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21, 22, 29 के तहत एफआईआर संख्या 21/2015 में 11 वर्षों से फरार, अर्शीद अहमद शूरा पुत्र अबुल रशीद शूरा निवासी बोटा कदल, लालबाजार (वर्तमान में हमवी सैदपोरा, हजरतबल, श्रीनगर) - लालबाजार थाना में एनआई अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में 8 वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहा है, हबीबुल्ला भट पुत्र अब्दुल समद निवासी क्रालपोरा कुपवाड़ा मौजूदा समय में लालबाजार - केस एफआईआर नंबर 39/1998 यू/एस 294 आरपीसी, पीएस शेरगढ़ी में 27 साल से गिरफ्तारी से बच रहा है, गौहर अहमद वानी पुत्र वली मोहम्मद वानी निवासी अरिगाम, बडगाम - केस एफआईआर नंबर 52/2021 यू/एस 379, 511 आईपीसी, पीएस शेरगढ़ी में 4 साल से गिरफ्तारी से बच रहा है, माशूक अहमद शेख पुत्र गुलाम मोहम्मद शेख निवासी रामनगरी शोपियां तथा मौजूदा समय में गुलशन नगर नौगाम, श्रीनगर - एफआईआर नंबर 119/2009 यू/एस 379 आरपीसी, पीएस शेरगढ़ी के मामले में 4 साल से गिरफ्तारी से बच रहा है और उनीब मुख्तियार नाथखान पुत्र मुख्तियार नाथखान निवासी 90 फीट रोड सौरा - एफआईआर संख्या 119/2009 यू/एस 379 आरपीसी थाना शेरगढ़ी में 16 वर्षों से फरार के रूप में की गई है।

उत्तर रेलवे

ई-टेंडर नोटिस

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/जम्मू-कश्मीर नीचे सूचीबद्ध कार्यों/सेवाओं के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इन निविदाओं के विरुद्ध मैन्युअल ऑफर की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफर को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इन निविदाओं के विरुद्ध ऑनलाइन भुगतान करने की अनुमति है। दस्तावेज़ लागत और बयाना राशि केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही जमा करें। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

निविदा प्रकार	बोली प्रणाली	निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली समाप्ति तिथि/समय	ई-निविदा खोलने की तिथि और समय
खुला	एकल पैकेट प्रणाली	17.10.2025	10.11.2025 at 15:00 Hrs.	10.11.2025 at 15:30 Hrs.

क्र.सं.	निविदा क्रमांक	निविदा का विवरण		
1	02-2025-Laundry-JAT-R	लॉन्ड्री-जेएटी जेएटी कोचिंग डिपो में लिनन प्रबंधन सुविधाओं के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना।		
	विज्ञापित मूल्य	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
	Rs. 2,29,98,167.27/-	Rs 2,65,000/-	45 Days	180 days

अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** पर लॉग ऑन करें।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3242/25

नारी शक्ति सम्मान पुरस्कार 2025 में एआईसी महिला नेताओं की चमक

नई दिल्ली। भारतीय कृषि बीमा कंपनी लिमिटेड (एआईसीआईएल) ने नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित नारी शक्ति सम्मान पुरस्कार 2025 में एक महत्वपूर्ण अवसर का अनुभव किया, जहाँ इसकी चार उत्कृष्ट महिला नेताओं को भारत के कृषि बीमा परिदृश्य में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

ये पुरस्कार उन महिला नेताओं का सम्मान करते हैं जो दूरदर्शिता, नवाचार और उद्देश्य के साथ उद्योगों में बदलाव ला रही हैं — और इस वर्ष एआईसीआईएल की उपलब्धियाँ समावेशी नेतृत्व और सशक्तिकरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

1. डॉ. लावण्या आर. मुंडायूर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक - वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला नेता

परिवर्तनकारी नेतृत्व की प्रतिमूर्ति, डॉ. मुंडायूर ने दिसंबर 2024 में कार्यभार संभालने के बाद से एक वर्ष से भी कम समय में कृषि बीमा को नई परिभाषा दी है। उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण ने प्रीमियम में दोहरे अंकों की वृद्धि को बढ़ावा दिया है और एआईसीआईएल की फसल बीमा बाजार हिस्सेदारी को 32व से बढ़ाकर 50% कर दिया है। उनके नेतृत्व में, कंपनी ने पीएमएफबीवाई और आरडब्ल्यूबीसीआईएस जैसी प्रमुख योजनाओं को मजबूत किया है, एक्काकल्चर इंश्योरेंस जैसे नवीन उत्पादों को लॉन्च किया है, और SEWANXt और SARUS जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का नेतृत्व किया है। 7,000 करोड़ से अधिक के दावा निपटान के माध्यम से एक करोड़ से अधिक किसानों को सशक्त बनाते हुए, डॉ. मुंडायूर का नेतृत्व नवाचार और सहानुभूति का मिश्रण है - जो हाल ही में प्रकाशित उनकी यात्रा का वृत्तांत प्रस्तुत करने वाली जीवनी अगेंस्ट द ऑड्स की भावना को सही मायने में दर्शाता है।

जीडीसी कठुआ के छात्रों के लिए शैक्षिक दौरा आयोजित, सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा पर दी जानकारी

कठुआ, 18 अक्टूबर (हि.स.)। पर्यावरण विज्ञान विभाग ने राजकीय महाविद्यालय कठुआ के रावी इको-क्लब के सहयोग से नगर परिषद कठुआ के सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा (एमआरएफ) का एक क्षेत्रीय अध्ययन दौरा आयोजित किया। यह दौरा प्रधानाचार्य डॉ. सावी बहल के मार्गदर्शन में हुआ जिसका उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं पर व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान करना था। पर्यावरण विज्ञान विभाग के 25 छात्रों के एक समूह ने इस दौरे में भाग लिया। उनके साथ पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अरविंद कुमार और प्रोफेसर मोहम्मद सुजा भी थे। क्षेत्र अध्ययन के दौरान छात्रों ने सूखे और गीले कचरे के प्रबंधन में प्रयुक्त विभिन्न वैज्ञानिक पद्धतियों और दृष्टिकोणों का अध्ययन किया जिनमें अपशिष्ट पृथक्करण, खाद बनाना, कतरना और संघनन शामिल हैं। इस दौरे ने छात्रों को इन तकनीकों के व्यावहारिक कार्यान्वयन का अवलोकन करने में सक्षम बनाया जिससे वास्तविक दुनिया के अनुभव के माध्यम से उनकी शैक्षणिक समझ मजबूत हुई। नगर परिषद कठुआ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित शर्मा ने छात्रों के साथ बातचीत की और सुविधा के संचालन का गहन अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाओं के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

शास्त्री विपन खजूरिया तीसरी बार हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य नामित

जम्मू, 18 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के समाजसेवी और भाषाई क्षेत्र में सक्रिय कार्यकर्ता शास्त्री विपन खजूरिया को केंद्र सरकार ने एक बार फिर हिन्दी सलाहकार समिति में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नामित किया है। यह उनका लगातार तीसरा नामांकन है। यह समिति देशभर में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार और नीतिगत सुझावों के लिए कार्य करती है। शास्त्री विपन खजूरिया लम्बे समय से हिन्दी, डोगरी और संस्कृत के संरक्षण व संवर्धन से जुड़े हैं। इसी क्रम में श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में डीआईजी जम्मू-कठुआ-सांबा रेंज शिव कुमार शर्मा ने उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम की

अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष एवं स्टेट अवॉर्डी महंत रोहित शास्त्री ने की। महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि हिन्दी, डोगरी और संस्कृत तीनों भाषाएँ हमारी पहचान और संस्कृति की मूल धारा हैं, और इनके प्रचार में विपन खजूरिया का योगदान उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने कहा कि समिति में उनकी पुनर्नियुक्ति क्षेत्रीय भाषाओं को सशक्त करने की दिशा में सकारात्मक कदम है। डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि ऐसे समाजसेवियों की भागीदारी से देश की भाषायी विविधता को नई दिशा मिलती है और यह युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने इसे जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत के सम्मान के रूप में देखा। शास्त्री विपन खजूरिया ने कहा कि यह अवसर क्षेत्र की भाषायी परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी लेकर आता है।

संपादकीय

दरबार स्थानांतरण का पुनरुद्धार अनुचित

आश्चर्यजनक रूप से, अर्धवार्षिक दरबार स्थानांतरण की सदियों पुरानी प्रथा को बंद किए जाने के चार साल बाद, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अब इसे पुनर्जीवित करने की घोषणा की है और कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा पहले लिए गए इस आशय के निर्णय पर उपराज्यपाल ने भी हस्ताक्षर कर दिए हैं।

यह हैरान करने वाला है कि डिजिटल शासन के क्षेत्र में इतनी सफलता हासिल करने के बाद, जिसने प्रशासनिक दक्षता में बदलाव ला दिया है, जम्मू और श्रीनगर के बीच सरकारी कार्यालयों के भौतिक स्थानांतरण सहित अर्धवार्षिक दरबार स्थानांतरण की क्या आवश्यकता थी? अब जब ई-फाइल प्रणाली पूरी तरह से चालू हो गई है, जिससे दुनिया के किसी भी हिस्से में रहते हुए भी रिकॉर्ड और संचार तक पहुँच मिलती है, तो करोड़ों रुपये खर्च करने और साल में दो बार शासन को बाधित करने का कोई औचित्य नहीं है। समय की इस तरह की बर्बादी और वित्तीय घाटा जम्मू-कश्मीर के मामलों को चलाने वालों के दिमागी दिवालियापन को दर्शाता है क्योंकि जम्मू और श्रीनगर के मुट्ठी भर व्यापारियों की एक लॉबी को संतुष्ट करने के लिए सरकारी खजाने को इतने बड़े पैमाने पर खर्च करना बिल्कुल भी उचित नहीं है क्योंकि दरबार मूव की समाप्ति ने उनके व्यवसायों को प्रभावित किया है क्योंकि इस प्रथा का कोई अन्य प्रासंगिकता नहीं थी, जिसे लोगों को उनके घर के पास सुविधा प्रदान करके लाभान्वित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। जो एक दशक पहले प्रासंगिक था, आज उसकी कोई प्रासंगिकता नहीं है और सरकार को इस कदम में शामिल फिजूलखर्ची को देखते हुए इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। यह उल्लेख करना उचित है कि दरबार मूव की प्रथा को 2021 में उपराज्यपाल प्रशासन द्वारा राज्य के खजाने पर पड़ने वाले बोझ के आधार पर समाप्त कर दिया गया था, मुख्य रूप से हर छह महीने में जम्मू और कश्मीर की जुड़वां राजधानी श्रीनगर से रिकॉर्ड स्थानांतरित करने के कारण। पिछली प्रथा के अनुसार, नागरिक सचिवालय छह महीने श्रीनगर (मई-अक्टूबर) और छह महीने जम्मू (नवंबर-अप्रैल) में कार्य करता था। दरबार मूव की शुरुआत 1872 में डोगरा शासक महाराजा रणबीर सिंह के शासनकाल में हुई थी, जिन्होंने दोनों क्षेत्रों के चरम मौसम से बचने के लिए शाही दरबार को श्रीनगर और जम्मू के बीच स्थानांतरित करना शुरू किया था फ़िलहाल, दरबार मूव को बहाल कर दिया गया है और हफ़्ते में पाँच दिन चलने वाले दरबार मूव कार्यालय श्रीनगर में 31 अक्टूबर को कार्यालय समय के बाद बंद हो जाएँगे और हफ़्ते में छह दिन चलने वाले दरबार मूव कार्यालय 1 नवंबर को बंद हो जाएँगे, और यही कार्यालय जम्मू में 3 नवंबर को फिर से खुलेंगे निष्कर्षत:, आज के उन्नत डिजिटल शासन के संदर्भ में, द्विवार्षिक दरबार मूव का पुनरुद्धार अनावश्यक और फिजूलखर्ची दोनों प्रतीत होता है। ई-फाइल सिस्टम कहीं से भी रिकॉर्ड और संचार तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करते हैं, ऐसे में साल में दो बार सरकारी कार्यालयों का भौतिक स्थानांतरण सरकारी खजाने पर एक अनावश्यक वित्तीय और प्रशासनिक बोझ डालता है। जो कभी सुविधा और जलवायु के लिए एक व्यावहारिक समाधान था, वह अब एक फिजूलखर्ची वाली कवायद बन गया है जो शासन को बाधित करता है और संसाधनों को बर्बाद करता है। सरकार को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए और पुरानी परंपराओं की बजाय दक्षता, वित्तीय विवेक और व्यापक जनहित को प्राथमिकता देनी चाहिए।

एक लाख एकल शिक्षक स्कूलों की त्रासदी से त्रस्त शिक्षातंत्र

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मज़दूर बन जाता है?

भारत में आज भी कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1,04,125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकड़े हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है। स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता। शिक्षा मंत्रालय के ये हालिया आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? एकल शिक्षक स्कूलों का परिदृश्य भारत के विकास की पौल खोलने वाला है। भले ही एकल शिक्षक स्कूलों में पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई हो, फिर इतनी बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों का होना हमारी शिक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी को ही उजागर कर रहा है। यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है।

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मज़दूर बन जाता है? इन बच्चों की शिक्षा कैसी होगी, जिनके लिए ज्ञान का एकमात्र द्वार ही थकान, उपेक्षा और तंगहाली से भरा है? यह संकट केवल ग्रामीण भारत तक सीमित नहीं है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहाँ विषय विशेषज्ञों की कमी, प्रयोगशालाओं की अनुपस्थिति और शिक्षण संसाधनों का अभाव है। नई शिक्षा नीति 2020 समग्र शिक्षा की बात करती है, लेकिन जब आधारभूत ढाँचा ही अपूर्ण हो तो नीतियाँ केवल दस्तावेज़ बनकर रह जाती हैं। हम 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना कर रहे हैं, पर क्या एकल शिक्षक स्कूलों की यह स्थिति उस दिशा में कोई सार्थक कदम का संकेत है?

यह विडंबना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर नया भारत, विकसित भारत और विश्वगुरु भारत के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था, यदि हमें भारत को पुनः महान बनाना है, तो शिक्षा को पुनः मानवीय बनाना होगा। आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निर्माता हैं।

सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेलकूल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं योग-व्यायाम जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली इन गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं और ऐसी बीमार बुनियाद पर खड़ा राष्ट्र कैसे स्वस्थ, सक्षम एवं उन्नत होगा?

शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है।

कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का होना देश के नीति-निर्माताओं एवं नायकों के लिये शर्म का विषय होना चाहिए।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभार : प्रभासाक्षी

दीपोत्सव, भारत के हर घर में पहुंचाता है धन, धान्य और सुख

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में दीपोत्सव एक धार्मिक अनुष्ठान होने के साथ ही राष्ट्र की आर्थिक धड़कन भी है। यह महालक्ष्मी दीपोत्सव श्रद्धा, समृद्धि और स्वाभिमान का संगम बना हुआ दिखता है, जिसमें परंपरा और प्रगति एक साथ दीप जला रही हैं। ये प्रकाशमान दीपक भारत की अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक गौरव को भी आलोकित करता है। पिछले साल 2024 में दीपोत्सव के दौरान देशभर में 4.75 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था, जबकि 2025 में यह आंकड़ा 5 लाख करोड़ रुपये को पार करने की दिशा में बढ़ रहा है।

कहना होगा कि यह उपभोग का उत्सव भी है और भारत की बढ़ती क्रय शक्ति और आर्थिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। खुदरा बाजारों, ई-कॉमर्स, परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, मिठाई और ज्वेलरी क्षेत्रों में अभूतपूर्व तेजी देखने को मिली है। इस वृद्धि के केंद्र में आस्था के साथ-साथ एक नई आर्थिक चेतना है जोकि 'स्वदेशी ही समृद्धि का आधार है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान कि वोकल फॉर लोकल बनो और लोकल को ग्लोबल बनाओ अब दीपोत्सव के हर दीये में झलकने लगा है। मिट्टी के दीयों, हस्तनिर्मित उपहारों और देशी सजावट सामग्री की मांग में 2025 में 35त्न की वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी का स्वदेशी संदेश अब एक जनआंदोलन बन गया है; जिससे कुम्हार, बुनकर, हस्तशिल्पी और महिला स्वयं सहायता समूहों को नई पहचान मिली है। जब उपभोक्ता स्वदेशी वस्तु खरीदता है, तो वह केवल उत्पाद नहीं लेता, बल्कि भारत की आत्मा को सशक्त करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने हाल ही में कहा था कि भारत का विकास तभी सार्थक है जब वह 'स्व' के बोध से प्रेरित हो। उनका 'पंच परिवर्तन' जिसमें स्व-चिंतन, स्व-स्वरूप, स्व-भाव, स्व-बल और स्व-कार्य समाहित है, दीपोत्सव की भावना में जीवंत दिखाई देता है।

वस्तुत- जब समाज अपने जीवन में भारतीय दृष्टि को अपनाता है, अपने कारीगरों का सम्मान करता है और स्थानीय उत्पादन को प्राथमिकता देता है, तब वह स्वदेशी विकास की दिशा में अग्रसर होता है। दीपोत्सव का हर दीपक इस 'स्व' चेतना का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत कर रहा है। अयोध्या दीपोत्सव 2025 इस वर्ष विश्व स्तर पर आकर्षण का केंद्र बना है। सरयू तट पर 28 लाख दीयों से जगमगाने की तैयारी न केवल एक विश्व रिकॉर्ड है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता और आर्थिक समावेशन का उत्सव भी है। इस आयोजन में 33,000 स्वयंसेवक और हजारों ग्रामीण महिलाएं शामिल हैं, जिन्होंने अपने हाथों से मिट्टी के दीये बनाए हैं। इसके लिए 75 हजार लीटर तेल और 55 लाख रूई की बत्तियाँ तैयार की गई हैं। यह दृश्य केवल धार्मिक भक्ति का नहीं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जीवंत रोजगार सृजन का प्रमाण है।

2024-25 के आर्थिक वर्ष में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.4त्न से लेकर 9.8त्न तक भी पहुंचती हुई दिखी। वैश्विक मंदी के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और उपभोग ने अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखा। त्योहारी सीजन में खुदरा बिक्री, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रियल एस्टेट में 12-15त्न की वृद्धि हुई है। डिजिटल भुगतान में भी तीव्र उछाल देखा गया, दीपोत्सव सप्ताह में यूपीआई लेनदेन 18त्न बढ़े। यह दिखाता है कि भारत की आर्थिक गति अब पूरी तरह तकनीकी और सांस्कृतिक दोनों आधारों पर टिकी है।

ग्रामीण भारत दीपोत्सव की आत्मा है। कुम्हारों के चाक से निकले मिट्टी के दीये और गांवों के हस्तनिर्मित उत्पाद इस पर्व के आर्थिक मूल हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लाखों कारीगरों ने इस वर्ष बाजारों को उजाला दिया। उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों से 5 लाख दीयों का निर्माण करवाया, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आमदनी और आत्मनिर्भरता दोनों बढ़ीं। यह वही विचार है जो प्रधानमंत्री मोदी के 'ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण' और भागवत जी के 'स्व-कार्य' सिद्धांत से मेल खाता है।

मुद्रास्फीति इस वर्ष औसतन 4.9त्न रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक की सीमा के भीतर है। हालांकि खाद्य मुद्रास्फीति 8.4त्न तक पहुँची, लेकिन त्योहारी उपभोग और बढ़ते व्यापारिक प्रवाह ने आर्थिक स्थिरता बनाए रखी। दीपोत्सव जैसे अवसर न केवल उपभोग को बढ़ाते हैं, बल्कि सरकार के राजस्व संग्रह में भी सहायक सिद्ध होते हैं। अक्टूबर-नवंबर के महीनों में जीएसटी संग्रह में लगभग 13त्न की वृद्धि हुई, जो बताती है कि उत्सव काल भारत की आर्थिक प्रणाली को मजबूत करता है।

दीपोत्सव का सबसे बड़ा सामाजिक प्रभाव रोजगार सृजन के रूप में सामने आया है। इस सीजन में रिटेल सेक्टर, डिलीवरी सेवाओं, सजावट उद्योग और पर्यटन में लगभग 12 लाख अस्थायी नौकरियाँ सृजित हुई हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि सांस्कृतिक उत्सव सिर्फ भावनात्मक नहीं है, ये रोजगार आधारित आर्थिक गतिविधि बन चुके हैं।

अकेले अयोध्या में पर्यटन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अनुमान है कि दीपोत्सव सप्ताह में 25 लाख से अधिक पर्यटक यहां आएंगे। होटल, परिवहन, खाद्य और स्थानीय व्यापार में 20-25त्न तक की आमदनी बढ़ने की संभावना है। इससे स्पष्ट है कि अयोध्या दीपोत्सव अब धार्मिक पर्यटन से आर्थिक विकास की दिशा में अग्रसर है। इसी तरह से उज्जैन के महाकाल लोक, काशी विश्वनाथ जैसे अनेक मंदिर परिसरों में लाखों भक्त इन दिनों पहुंच रहे हैं। ऐसे में कहना होगा कि ये वही मॉडल है जिसे प्रधानमंत्री मोदी 'संस्कृति आधारित अर्थनीति' कहते हैं; जहां परंपरा, पर्यटन और व्यापार एक-दूसरे को सशक्त करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दीपोत्सव की आभा फैल रही है। ब्रिटेन, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में भारतीय दूतावासों और प्रवासी भारतीय समुदायों द्वारा दीपोत्सव मनाया जा रहा है। यह भारत की सॉफ्ट पावर का जीवंत उदाहरण है, जिसने दुनिया में भारतीय संस्कृति की स्वीकृति और सम्मान को नई ऊँचाई दी है। अब दीपोत्सव केवल भारत का नहीं रह गया है, आज यह के वक्त में यह वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है जो विश्व को यह संदेश देता है कि आध्यात्मिकता और आर्थिकता एक-दूसरे के पूरक हैं।

दीपोत्सव 2025 में भारत के विकास मॉडल के रूप में आज सभी के सामने है; एक ऐसा मॉडल जो पश्चिमी उपभोगवाद से भिन्न, भारतीय मूल्य-आधारित समृद्धि पर आधारित है। प्रधानमंत्री मोदी का 'वोकल फॉर लोकल', मोहन भागवत जी का 'स्व' दर्शन और भारत की जनशक्ति मिलकर एक नया आर्थिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण निर्मित कर रहे हैं। यह दृष्टिकोण बताता है कि जब समाज आत्मनिर्भरता, सहकारिता और स्वाभिमान की भावना से प्रेरित होता है, तब विकास राष्ट्र में स्वभाविक रूप से दिखाई देता है।

महालक्ष्मी दीपोत्सव 2025 इस बात का सजीव प्रमाण है कि भारत आज आस्था से आत्मनिर्भरता और संस्कृति से अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। 5 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक सक्रियता, 28 लाख दीयों की आभा, 25 लाख पर्यटकों की उपस्थिति और 12 लाख रोजगारों की सृजनात्मक ऊर्जा यह सब भारत के नवोन्मेषी आत्मविश्वास का परिचायक है। जब हर घर का दीपक जलता है, तो केवल प्रकाश ही नहीं फैलता, बल्कि भारत की प्रगति, स्वदेशी चेतना और सांस्कृतिक गौरव भी दमक उठते हैं। दीपोत्सव पूजा का पर्व तो है ही साथ में यह आज हमें भारत की आर्थिक चेतना, सांस्कृतिक एकता और आत्मविश्वासी भविष्य का उत्सव बनकर सामने आता हुआ दिखता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जब श्रद्धा और स्वदेशी भावना एक साथ प्रज्वलित होती हैं, तो प्रकाश केवल दीयों में नहीं राष्ट्र की प्रत्येक चेतना से प्रवाहित होता है।

नरक चतुर्दशी - यमराज की कृपा से मुक्ति की कामना का दिव्य पर्व

- योगेश कुमार गोयल

कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, महापर्व की उस श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी।' कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीवाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 19 अक्तूबर को मनाया जाएगा या 20 अक्तूबर को।

इस साल चतुर्दशी तिथि का आरंभ 19 अक्टूबर, रविवार को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट पर हो रहा है और इसका समापन 20 अक्टूबर, सोमवार को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर होगा। यूं तो उदया तिथि के अनुसार, छोटी दिवाली 20 तारीख को मनाई जानी चाहिए लेकिन यम चतुर्दशी की पूजा चूंकि प्रदोष काल यानी शाम के समय ही की जाती है, इसीलिए नरक चतुर्दशी यानी छोटी दीवाली 19 अक्तूबर को मनाई जाएगी। 20 अक्तूबर को सुबह 5 बजकर 13 मिनट से सुबह 6 बजकर 25 मिनट तक का शुभ समय अभ्यंग स्नान के लिए श्रेष्ठ है क्योंकि इस मुहूर्त में किया गया स्नान सौंदर्य को बढ़ता है और तेजमय शरीर की प्राप्ति होती है। छोटी दीवाली पर यम का दीपक जलाने का शुभ मुहूर्त 19 अक्टूबर की शाम को है। नरक चतुर्दशी के दिन यम का दीपक शाम 6 बजकर 58 मिनट से लेकर शाम 7 बजकर 28 मिनट तक के बीच में जला सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।

यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा

नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नीलम करवरिया कप पर इलाहाबाद उत्तरी का कब्जा

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद उत्तर विधानसभा ने सोरांव विधानसभा को 157 रन से हराकर प्रथम नीलम करवरिया कप टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमा लिया। गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर खेले गये खिताबी मुकाबले टॉस हारकर इलाहाबाद उत्तरी ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 211 रन (राहुल राजपाल 62, यादवेंद्र सिंह यादव 50, त्रिपुरेश सिंह 41, अंशुमान पांडेय 23 नाबाद, हर्षित नारायण तिवारी 4/15, रंजीश कुमार 2/23, बादल कुमार 2/46) बनाकर सोरांव विधान सभा को 12.2 ओवर में 54 रन (हर्षित नारायण तिवारी 17, रितेश कुमार 11, राहुल राजपाल 3/06, प्रथम मिश्र 3/20, त्रिपुरेश सिंह 2/11) पर समेट दिया। मैच में ताहिर अब्बास व शिशिर मेहरोत्रा अंपायर एवं खुर्शीद अहमद व प्रितेश सोनकर स्कोरर रहे। जाहिद अली और केबी काला ने मैच रेफरी का दायित्व निभाया। मैच से पूर्व उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक ताहिर हसन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सदस्य मोहम्मद कैफ ने विजेता टीम को एक लाख रुपये नकद के साथ ट्रॉफी और उपविजेता टीम को 60 हजार रुपये नकद एवं ट्रॉफी प्रदान की। राहुल राजपाल को मैन ऑफ द मैच व मैन ऑफ द टूर्नामेंट, प्रथम मिश्र को बेस्ट बॉलर और विकास कुमार को बेस्ट फील्डर का पुरस्कार मिला।

सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 के फाइनल में पहुंचा भारत, मलेशिया को 2-1 से हराया

जोहोर (मलेशिया)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 के पूल चरण के आखिरी मुकाबले में मेज़बान मलेशिया को 2-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारत की ओर से गुरजोत सिंह ने 22वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि सौरभ आनंद कुशवाहा ने 48वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। मलेशिया की ओर से एकमात्र गोल नावीनिश पनिकर ने 43वें मिनट में किया। फाइनल में जगह पक्की करने के लक्ष्य के साथ उतरी भारतीय टीम ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। भारतीय फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने तेज़ी से हमले बोले और मलेशिया की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाया। हालांकि पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और स्कोर 0-0 रहा। दूसरे क्वार्टर में भारत ने मलेशिया को बैकफुट पर धकेल दिया। 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से मिली रीबाउंड पर गुरजोत सिंह ने शानदार गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हाफ टाइम तक भारत ने इस बढ़त को बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने उतरेंगे शुभमन गिल, 3000 वनडे रन पूरे करने से मात्र इतने रन दूर

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। भारत के नवनियुक्त वनडे कप्तान शुभमन गिल रविवार से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम की कमान संभालने के साथ ही एक और उपलब्धि हासिल करने की ओर अग्रसर हैं। यह स्टाइलिश दाएं हाथ का बल्लेबाज वनडे में 3,000 रन पूरे करने से सिर्फ 225 रन दूर है। गिल ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सिर्फ एक वनडे खेला है जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका कुल रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उनके खिलाफ 8 वनडे मैचों में उन्होंने 35 की औसत से 280 रन बनाए हैं जिसमें एक अर्धशतक और एक शतक शामिल है। रोहित शर्मा की जगह लेने के बाद वनडे कप्तान के रूप में गिल का यह पहला कार्यकाल होगा। भारत तीन वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रहा है। श्रृंखला 50 ओवरों के मैचों के साथ शुरू होगी और दूसरा और तीसरा वनडे 23 और 25 अक्टूबर को खेला जाएगा। पांच टी20 मैच 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक खेले जाएंगे। आगामी श्रृंखला गिल की कप्तानी यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण होगी क्योंकि वह बल्ले से अपने निरंतर प्रदर्शन को जारी रखते हुए भारत के नए वनडे कप्तान के रूप में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे। मई के बाद से गिल के लिए नेतृत्व की जिम्मेदारियां तेजी से बढ़ी हैं। रोहित द्वारा एक संक्षिप्त संदेश के साथ टेस्ट प्रारूप को अलविदा कहने के बाद 26 वर्षीय गिल को इंग्लैंड के 5 मैचों के कठिन टेस्ट दौरे के लिए भारत का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया जो 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। उन्होंने अपनी बात पर अमल करते हुए 75.40 की औसत से रिकॉर्ड तोड़ 754 रन बनाए, जिसमें करियर का सर्वश्रेष्ठ 269 रन भी शामिल था, जिससे श्रृंखला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

शुभमन गिल ने संभाली कमान, कहा- रोहित और विराट से सीखना मेरे लिए गर्व की बात

पर्थ। भारत के नए ODI कप्तान शुभमन गिल (Shubman Gill) ने आगामी ऑस्ट्रेलिया तीन-मैच ODI श्रृंखला से पहले अपने विचार साझा किए और कहा कि वे किसी भी कठिन परिस्थिति में वरिष्ठ बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली से सलाह लेने में पीछे नहीं हटेंगे। रोहित और विराट अगले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया में अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय पारियाँ खेलेंगे, जिसमें पर्थ, एडिलेड और सिडनी में तीन ODI मैच शामिल हैं। गिल ने इस साल के शुरुआत में रोहित की टेस्ट कप्तानी की जगह ली थी और अब ODI टीम की कमान भी संभाल रहे हैं।

भारत की व्हाइट-बॉल टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा तीन ODI और पांच T20I मैचों का है। ODI श्रृंखला का पहला मैच 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अन्य मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में होंगे। इसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक पांच मैचों की T20I श्रृंखला खेली जाएगी, जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे।

महिला विश्व कप : वोल्वार्ट और ब्रिट्स की अर्धशतकीय पारियों से दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराया

एजेंसी

कोलंबो। लौरा वोल्वार्ट और टैजमिन ब्रिट्स की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित 20 ओवर के मुकाबले में श्रीलंका को 10 विकेट से हराते हुए महिला वनडे विश्व कप में लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम ने 121 रनों के संशोधित लक्ष्य को 14.5 ओवर में हासिल कर लिया। मैच की शुरुआत में श्रीलंका की बल्लेबाज विष्मी गुणरत्ने ने अच्छी पारी खेलते हुए कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन पांचवें ओवर में फील्डर के थ्रो से उनके बाएं घुटने में चोट लगी और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद मसताबा क्लास ने श्रीलंका को झटके दिए और कप्तान चामरी अटापट्टू व हसीनी परेरा को पवेलियन भेजा। 12वें ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर 46/2 था तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। करीब पांच घंटे के बाद मैच 20-20 ओवर का कर दिया गया।

खेल शुरू होते ही कविशा दिल्हारी ने नोंकुलुलेको म्लाबा की गेंद पर छक्का जड़कर श्रीलंका की आक्रामक मंशा दिखाई। हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने लगातार दो ओवर में दो विकेट झटककर दबाव बना दिया। विष्मी वापसी कर टीम के लिए रन जोड़ती रहीं। मलाबा ने अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाए और केवल चार रन दिए, जिससे श्रीलंका 20 ओवर में 7 विकेट पर 105 रन ही बना सका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी ओपनर जोड़ी वोल्वार्ट और ब्रिट्स ने पारी को संभलकर शुरू किया और जल्द ही रन गति बढ़ा दी। दोनों बल्लेबाजों ने स्ट्राइक रोटेट करते हुए लगातार चौके जड़े और श्रीलंका को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। 13वें ओवर में दोनों ने दिल्हारी को चार चौके जड़कर मैच पूरी तरह दक्षिण अफ्रीका की झोली में डाल दिया। इसके बाद वोल्वार्ट ने अटापट्टू की गेंद पर चौका लगाकर टीम का स्कोर 100 पार पहुंचाया, जबकि ब्रिट्स ने पियुमी बदालगे पर चौका और छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। यह दोनों के बीच वनडे में सातवीं शतकीय साझेदारी थी और दक्षिण अफ्रीका की महिला वनडे में छठी 10 विकेट से जीत।

पीवीएल 2025 : युडी यामामोटो के शानदार प्रदर्शन से हैदराबाद ब्लैक हॉक्स की 3-1 से जीत

एजेंसी

हैदराबाद। आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) पावर्ड बाय स्कैपिया के रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने गोवा गार्डियंस को 3-1 (15-13, 20-18, 15-17, 15-9) से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। ब्राज़ीलियाई स्टार युडी यामामोटो को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ हैदराबाद ब्लैक हॉक्स सात अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई। मेजबान टीम हैदराबाद ने पहले दो सेटों में बेहतरीन तालमेल दिखाया। युडी यामामोटो और साहिल कुमार ने नेट पर लगातार दबाव बनाते हुए गोवा के डिफेंस को परेशान रखा। गार्डियंस के नाथनियल डिकिंसन और चिराग यादव ने जोरदार स्पाइक्स से जवाब देने की कोशिश की, लेकिन साहिल के निर्णायक स्पाइक ने ब्लैक हॉक्स को पहला सेट 15-13 से दिला दिया।

दूसरे सेट में गोवा ने शुरुआत में बढ़त हासिल की। दुष्यंत सिंह के शानदार ब्लॉक और प्रिंस की नेट पर उपस्थिति ने गार्डियंस को मुकाबले में बनाए रखा। हालांकि हैदराबाद के नियाज़ अब्दुल ने ड्यूस तक खेल को खींचते हुए विपक्षी ब्लॉकर्स को छकाया। इसके बाद साहिल कुमार ने निर्णायक पॉइंट लेकर ब्लैक हॉक्स को 20-18 से दूसरा सेट जीताया। तीसरे सेट में गोवा गार्डियंस ने शानदार वापसी की। दुष्यंत सिंह की सुपर सर्व और प्रिंस-गौरव यादव की जोड़ी ने टीम को 15-17 से सेट अपने नाम करने में मदद की। लेकिन यह लय ज्यादा देर तक नहीं चल सकी।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने रचा इतिहास, 20 साल बाद एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने इतिहास रचते हुए 20 साल बाद एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारत ने डोलन ओमुर्जाकोव स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। मैच में भारत ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। हेड कोच जोआकिम एलेक्ज़ेंडरसन के रणनीतिक बदलाव ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 40वें मिनट में बोनिफिलिया शुल्लाई की जगह थंदमनी बास्के को मैदान पर उतारा। बास्के ने 55वें मिनट में गोल कर भारत को बराबरी पर ला दिया और फिर 66वें मिनट में अनुष्का कुमारी को पास देकर दूसरा गोल कराने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले उज्बेकिस्तान की शकज़ोदा अलीखोनोवा ने 38वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी। हालांकि भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में शानदार नियंत्रण दिखाते हुए मैच अपने

नाम किया और क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया। यह पहला मौका है जब भारतीय अंडर-17 महिला टीम ने मेरिट के आधार पर एएफसी एशियन कप में जगह बनाई है। भारत आखिरी बार 2005 में इस टूर्नामेंट में खेला था, जब 11 टीमों को सीधे प्रवेश मिला था। लेकिन क्वालिफिकेशन सिस्टम लागू होने के बाद अब तक भारत को कभी जगह नहीं मिल पाई थी। अब भारत की सीनियर महिला टीम, अंडर-20 महिला टीम और अंडर-17 महिला टीम तीनों ही महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी।

तीन दिवसीय इंटर स्कूल कबड्डी चैम्पियनशिप का शुभारम्भ, पहले दिन आठ मुकाबले हुए

एजेंसी

मुरादाबाद। तीन दिवसीय इंटर स्कूल कबड्डी चैम्पियनशिप का शुभारम्भ टीएमयू में हुआ। प्रतियोगिता में पहले दिन कुल आठ मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में मुरादाबाद, रामपुर, संभल, गजरौला, बिजनौर, अमरोहा, बदायूं जैसे शहरों से कुल 23 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। प्रतियोगिता के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि अपर जिला अधिकारी प्रशासन गुलाब चंद्र ने खेल को स्वास्थ्य का मुलमंत्र बताया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। छात्र जीवन में खेल की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला बिजनौर के भगवंत पब्लिक स्कूल और मुरादाबाद के सेंट मीरा अकादमी के बीच हुआ। इसमें सेंट मीरा ने 46-21 के अंतर से जीत दर्ज की। 25 अंक के साथ सार्थक सिंह बेस्ट रेडर और 25 अंक के साथ दीपांशु शर्मा बेस्ट डीफेंडर बने। दूसरे मैच में अमरोहा के घनश्याम दास टंडन ने एसपीएस उझानी को 38-31 के अंतर से हराया। मैच में रमन पाल बेस्ट रेडर और विवेक बेस्ट डिफेंडर बने। तीसरे मैच में बिजनौर के साई इंटरनेशनल

स्कूल ने डिलारी के श्री साई पब्लिक स्कूल को 50-26 के अंतर से हराया। इसमें जगदीप बेस्ट रेडर और अनिकेत बेस्ट डिफेंडर चुने गए। चौथे मुकाबले में रामपुर के डिवाइन पब्लिक स्कूल ने काशीपुर के एमडीपी स्कूल को 32 19 के अंतर से हराया। मैच में हरपाल सिंह बेस्ट रेडर और प्रशांत बेस्ट डिफेंडर बने। पांचवें मुकाबले में बिलासपुर के बीएमआई इंटरनेशनल स्कूल ने रामपुर के आईबीपीएस को रोमांचक मुकाबले में 38-34 से हराया। छठे मैच में बिजनौर के फादरसन स्कूल ने रामपुर के एमडीबी स्कूल को 36-33, सातवें मैच में अमरोहा के ब्लू बर्ड्स स्कूल ने मुरादाबाद के ग्रीन मिडोज को 34-23 और आठवें मैच में मुरादाबाद के एमएस पब्लिक स्कूल ने असमोली के सेंट एंथनी स्कूल को 34-26 के अंतर से हराकर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई।

तनाव के बीच अफगानिस्तान ने पाकिस्तान त्रिकोणीय सीरीज़ से नाम वापस लिया

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि वह पाकिस्तान में होने वाली आगामी त्रिकोणीय टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ से हटने का निर्णय ले चुका है। यह सीरीज़ नवंबर के अंत में पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच खेली जानी थी। अफगान टीम 17 नवंबर से पाकिस्तान की यात्रा कर सीरीज़ में हिस्सा लेने वाली थी। लेकिन शुक्रवार (17 अक्टूबर) शाम पक्तिका प्रांत के उरगुन ज़िले में अफगान क्रिकेटरों पर हुए हमले के बाद यह फैसला लिया गया है। इस हमले में अफगान घरेलू क्रिकेट टीम के खिलाड़ी क़बीर, सिबगतुल्लाह और हारून सहित आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हुए। ये खिलाड़ी पक्तिका प्रांत की राजधानी शराना में एक दोस्ताना क्रिकेट मैच खेलने के लिए पहुंचे थे। एसीबी ने अपने बयान में कहा, इस दुखद घटना के मद्देनज़र और शहीद

खिलाड़ियों के प्रति सम्मान स्वरूप अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी त्रिकोणीय सीरीज़ में भाग न लेने का निर्णय लिया है। बोर्ड ने पाकिस्तान पर हमले का आरोप लगाते हुए कहा, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड उरगुन ज़िले के बहादुर क्रिकेटरों की शहादत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त करता है, जिन्हें आज शाम पाकिस्तानी शासन द्वारा किए गए एक कायराना हमले में निशाना बनाया गया। एसीबी ने इस घटना को अफगान खेल समुदाय, खिलाड़ियों और क्रिकेट परिवार के लिए बड़ा नुकसान बताया और शहीदों के परिवारों तथा पक्तिका प्रांत की जनता के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अफगानिस्तान के तेज़ गेंदबाज़ फ़ज़लहक फ़ारूकी ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर इस हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने लिखा, नागरिकों और हमारे घरेलू क्रिकेट खिलाड़ियों की शहादत एक अक्षम्य अपराध है। निर्दोषों का कत्लेआम करने वालों को माफ नहीं किया जा सकता।

वर्तमान में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बिगड़े रिश्तों के चलते कई विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में आईसीसी आयोजनों में दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच हाथ मिलाना भी मुश्किल हो सकता है।

इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में माडर्न पब्लिक स्कूल की टीम बनी विजेता

एजेंसी

मुरादाबाद। दिल्ली रोड स्थित मॉडर्न स्कूल में ब्रास सिटी सहोदया के अंतर्गत चल रहे चार दिवसीय इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के आखिरी दिन शुक्रवार को फाइनल मैच का शानदार मुकाबला हुआ। प्रधानाचार्य शकील अहमद ने मैच का उद्घाटन किया। आयोजन सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि प्रतियोगिता के आखिरी दिन माडर्न पब्लिक स्कूल (एमपीएस) और आरएसडी एकेडमी के बीच खिताबी मैच खेला गया। जिसमें एमपीएस की टीम ने विजय हासिल की। आरएसडी एकेडमी ने टास जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला

किया, बल्लेबाज़ी करने उतरी मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम ने 12 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 82 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर एस डी एकेडमी के टीम ने बल्लेबाज़ी की जबरदस्त शुरुआत करते हुए 12 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर कुल 51 रन ही बना सकी और एमपीएस की टीम महज 31 रनों से विजयी हुई और दूसरा स्थान आर एस डी एकेडमी को मिला। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब एमपीएस के यश व्यास, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आर एस डी एकेडमी के अनुराग, सर्वेश गेंदबाज का खिताब शिरडी साई के राजस को दिया गया ।

अंतर डिवीजन बैडमिंटन टूर्नामेंट संपन्न, रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी

पूर्वी सिंहभूम। मोहन आहूजा स्टेडियम, जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित अंतर डिवीजन बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन शानदार मुकाबलों और उत्कृष्ट खेल भावना के साथ हुआ। इस टूर्नामेंट में चार श्रेणियों–पुरुष टीम, महिला टीम, पुरुष एकल और महिला एकल में कुल 198 प्रतिभागियों ने भाग लिया। टीम स्पर्धाओं में 136 और एकल स्पर्धाओं में 62 खिलाड़ियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया और खेल की उत्कृष्टता को दर्शाया।

महिला टीम प्रतियोगिता में एनआईएनएल रही अव्वल

महिला टीम इवेंट में एनआईएनएल विजेता बनी, जबकि वेस्ट बोकारो ने उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। तीसरा स्थान शेयर्ड सर्विसेज को प्राप्त हुआ।

टूर्नामेंट में पुरुष टीम इवेंट में टीएसजे ऑपरेशंस ने बाज़ी मारी। वहीं पुरुष टीम इवेंट में टीएसजे ऑपरेशंस ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। जनरल ऑफिस उपविजेता रहा, जबकि तीसरे स्थान पर टीएसएम रही। महिला एकल में अनन्या तिग्गा का दबदबा महिला एकल स्पर्धा में एनआईएनएल की अनन्या तिग्गा विजेता बनीं, वेस्ट बोकारो की दीपिका दूसरे स्थान पर रहीं और तीसरा स्थान डी लिखिता को प्राप्त हुआ।

पुरुष एकल का खिताब सयान हाज़रा ने जीता

पुरुष एकल इवेंट में शेयर्ड सर्विसेज के सयान हाज़रा ने प्रथम स्थान हासिल किया। टीएसजे ऑपरेशंस के आलोक मन्ना उपविजेता रहे और वेस्ट बोकारो के प्रिंस ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि खिलाड़ियों का उत्साह बढाया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य खेल अधिकारी मुकुल विनायक चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन और खेल भावना के लिए बधाई दी।

प्री नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में छाए फैज,रिदित, यश मोहिनी

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद के चार निशानेबाजों ने प्री नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कोच पुष्कर देओल ने बताया कि हॉक आई शूटिंग एकेडमी मुरादाबाद के फैज पठान, रिदित यादव, यश विश्नोई और मोहिनी सिंह चारों खिलाड़ी दिसंबर में प्रस्तावित राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में देश के शीर्ष निशानेबाजों के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कोच पुष्कर देओल के मुताबिक फैज पठान, रिदित

यादव और यश विश्नोई ने देहरादून में 4 से 17 अक्टूबर तक हुई 44वीं नॉर्थ जोन प्री-नेशनल प्रतियोगिता में पिस्टल वर्ग में सफलता अर्जित कर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है। मोहिनी ने भोपाल में नी से 15 तक हुई प्री-नेशनल प्रतियोगिता में राइफल वर्ग में सफलता बटोरी है। एकेडमी के संचालक, कोच समेत अन्य सदस्यों ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी हैं।

राज्य जूनियर ताइक्वांडो में प्रयागराज को पांच पदक

एजेंसी

प्रयागराज। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 16 से 17 अक्टूबर आयोजित हुई जूनियर राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में प्रयागराज के खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण पदक एक रजत और एक कांस्य पदक प्राप्त किया है। प्रयागराज ताइक्वांडो एसोसिएशन के जनसम्पर्क अधिकारी अतुल सोनकर के अनुसार

प्रतियोगिता में आदर्श चौरसिया, आर्यन चौरसिया और जागृति यादव ने स्वर्ण पदक जीता। त्रिगुणात्मिका शीतल शुक्ला ने रजत एवं अभाव्या जायसवाल ने कांस्य पदक जीता। विजेताओं को एसोसिएशन के अध्यक्ष निशांत मेहरोत्रा, चेयरमैन पंकज जायसवाल, संयुक्त सचिव सत्यदेव यादव और सनी सिंह ने खिलाड़ियों एवं उनके कोच श्रेया सिंह, हर्ष चौधरी, सुनील कुमार, शिवानी यादव को हर्ष जताते हुए बधाई दी है।

जिला आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में आरएसडी एकेडमी प्रथम

एजेंसी

मुरादाबाद। आरएसडी एकेडमी रामगंगा विहार में एक दिवसीय अंतर जिला आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के 12 स्कूलों के 200 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में आरएसडी एकेडमी की टीम ने प्रथम स्थान, मॉडर्न पब्लिक स्कूल ने दूसरा स्थान व टाइनी टोट्स स्कूल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ जिला संघ के अध्यक्ष डॉ अनंत राणा द्वारा किया गया। जिला आर्म रेसलिंग एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव मोहित चौधरी ने बताया यह प्रतियोगिता अंडर 14, 16, 18, 23 व सीनियर बालक एवं बालिका वर्ग में कराई गई। अंडर 14 बालक वर्ग 40 किलो ग्राम में मोहम्मद मुआज ने स्वर्ण, अहम अली ने रजत, देव व विराट ने कांस्य पदक जीता। 45 किलो में मानस विश्नोई ने स्वर्ण, दिवेश ने रजत, योग प्रकाश एवं मोहम्मद निहाल ने कांस्य पदक जीता। 50

किलो में आयु ने स्वर्ण, नैतिक पवार ने रजत, संजू व फैजान मालिक ने कांस्य पदक जीता। 55 किलो ग्राम में हनी ने स्वर्ण, हितांशु ने रजत, पवित्र व भविष्य ने कांस्य पदक जीता। अंडर 14 बालिका वर्ग में अंडर 40 किलो में वैष्णवी, अंडर 45 किलो में कर्णिका चौधरी, 55 किलो में आर्य गुप्ता, 60 किलो में गिरिशा, 60 किलो अलंकृता ठाकुर ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर 16 बालक वर्ग में अंडर 50 किलो में अदनान ने स्वर्ण, शिव कुमार ने रजत, भविष्य ने कांस्य पदक जीता, 55 किलो में अभय सक्सेना ने स्वर्ण, शौर्य ने रजत व अंश ने कांस्य पदक जीता। बालिका वर्ग में अंडर 45 किलो में अनम बिलाल ने स्वर्ण व आलिया सुल्ताना ने रजत पदक जीता, 50 किलो में हुफ्जुन ने स्वर्ण, 60 किलो में सानिया ने स्वर्ण, कोरीन ने रजत, कैफ्रीन ने कांस्य पदक जीता।

प्रतियोगियों का समापन समारोह आरएसडी एकेडमी के निदेशक डॉ विनोद कुमार, डॉ जी कुमार, डॉ गौरव कुमार, डॉ अजय शर्मा व डॉ गरिमा शर्मा द्वारा सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। निर्णायक मंडल में मयंक कश्यप, मरदान अली, आदित्य कुमार, मॉरिस, चिराग आदि ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर आर्म रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव शाहवेज़ अली ने सभी विजेता खिलाड़ियों की बधाई दी व उनका मनोबल बढ़ाया।

चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे पर जयराम रमेश ने केंद्र सरकार को आगाह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर केंद्र सरकार को आगाह किया है। रमेश ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि अप्रैल से सितंबर 2025 के दौरान चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 54.4 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 49.6 अरब डॉलर था। जयराम रमेश ने कहा कि चीन से आयात लगातार बढ़ रहा है, जिसपर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

सीतारमण ने बल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कर्नाटक के बेल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक (केएजीबी) के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने केएजीबी को अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए जमीनी स्तर पर कृषि ऋण वितरण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सलाह दी। सीतारमण ने सभी हितधारकों को क्षेत्र में संबद्ध कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। डीएफएस सचिव एम नागराजू, नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी, केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वित्त मंत्री ने समीक्षा के दौरान ऋण वितरण वृद्धि, एनपीए, वित्तीय समावेशन के तहत प्रदर्शन और केएजीबी की सरकार की प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया। केएजीबी और केनरा बैंक को विशेष रूप से एमएसएमई और संबद्ध क्षेत्र को ऋण वितरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया। सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों से आग्रह किया कि वे अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ एफपीओ की पूंजीगत ज़रूरतें विकास वित्तीय संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं।

निसान मैग्नाइट एएमटी सीएनजी के साथ लॉन्च, इंटीग्रेटेड फ्यूल लिड डिजाइन पेश

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने दिवाली से पहले भारतीय ग्राहकों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी निसान मैग्नाइट के ऑटोमैटिक (श्रं-शिफ्ट) वेरिएंट के लिए अब सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा शुरु कर दी है। पहले ये सुविधा सिर्फ मैनुअल वेरिएंट के लिए उपलब्ध थी, लेकिन ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए कंपनी ने इसे ऑटोमैटिक मॉडल के लिए भी लॉन्च कर दिया है। निसान मोटर इंडिया ने अपने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट प्रोग्राम के विस्तार करने का ऐलान किया। जीएसटी परिषद के हालिया फैसले वस?तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर 28 से घटाकर 18 फीसदी करने के बाद कंपनी ने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट की कीमत को घटाकर 71,999 रुपये कर दिया है। नई कीमतें 22 सितंबर से पूरे भारत में सभी अधिकृत निसान सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सेंटर पर प्रभावी हो गई हैं। कंपनी ने कहा कि सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा अपग्रेड के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। कंपनी ने कहा कि अब नई निसान मैग्नाइट BR10 श्रं-शिफ्ट (एएमटी) के लिए सरकार से प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट की पेशकश की गई है। नई निसान मैग्नाइट ब्क्र10 मैनुअल ट्रांसमिशन में रेट्रोफिटमेंट को लेकर ग्राहकों की मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए उठाया गया है। निशान इंडिया मोटर ने कहा कि यह कदम सुगम, दक्ष और ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने की निसान की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और उल्लेखनीय पड़ाव है।

यूको बैंक का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये

नई दिल0ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने चालू वित?त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप?त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में यूको बैंक को 603 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यूको बैंक ने एक बयान में बताया कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक का कुल कारोबार 5.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 13.23 फीसदी अधिक है। बैंक ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सकल अग्रिम 16.56 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि कुल जमा 10.85 फीसदी बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये रहा। यूको बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 0.62 फीसदी घटकर 2.56 फीसदी रही। यूको बैंक देश का एक प्रमुख बैंक है। इसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है।

यूको बैंक UCO BANK

व्यापारियों की दीपावली मनेगी भव्य, 738 करोड़ जीएसटी रिफंड जारी : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ओर से राजधानी के कारोबारियों की दीपावली को भव्य और वैभवपूर्ण बनाने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहा कि दीपावली से पूर्व तक दिल्ली के व्यापारियों को उनका जीएसटी रिफंड लगातार दिया जा रहा है। इस मद में उन तक 738 करोड़ की राशि पहुंचा दी गई है। यह प्रकिया जारी है और आधुनिक तकनीक के जरिए व्यापारियों को लगातार उनका जीएसटी रिफंड निपटाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार आम जन तक भी खुशियां पहुचांने का लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत हम पानी के लंबित बिलों व अनधिकृत पेयजल व सीवर के कनेक्शनों पर भारी राहत दे रहे हैं, इसके लिए पेमेंट चार्ज व पेनल्टी पर 100 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

हमारी सरकार की यह योजना भी आम जन के लिए दीपावली का उपहार है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हमारी सरकार व्यापारियों का जीएसटी रिफंड करने के लिए लगातार प्रभावी प्रयास कर रही है। इसे निपटाने के लिए नई तकनीक का भी प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के परिणामस्वरूप व्यापार व कर विभाग ने अभी तक 1002 करोड़ रुपये के लंबित जीएसटी रिफंड मामलों को सफलतापूर्वक निपटा दिया गया है। इनमें से 738 करोड़ रुपये की राशि दिल्ली के व्यावसायिक संस्थानों और व्यापारियों को रिफंड के रूप में भेज दी गई है। विभाग की यह अब तक की उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसने रिफंड प्रक्रिया को नई गति दी है। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए जानकारी दी कि रिफंड निपटान प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए जीएसटी विभाग ने आईआईटी-हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह मॉड्यूल डेटा एनालिटिक्स, डेटा ऑटोमेशन और त्वरित जांच प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे रिफंड आवेदन शीघ्रता से निपटाए जा रहे हैं। अभी तक विभाग द्वारा कुल 8259 रिफंड आवेदनों का निपटारा किया गया है, जो एक रिकॉर्ड संख्या है। इन आवेदनों में से 7409 आवेदन 10 लाख रुपये से कम के रिफंड दावों से जुड़े थे। इन छोटे दावों के शीघ्र निपटारे से दिल्ली के छोटे व्यापारियों और व्यवसायियों को बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री के मुताबिक यह प्रयास न केवल करदाताओं के विश्वास को मजबूत करता है, बल्कि दिल्ली में व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करेगा।

इंडिगो एयरलाइन 30 चौड़े आकार वाले ए350 विमान खरीदेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो ने एयरबस के साथ 30 अतिरिक्त ए350-900 विमान खरीदने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही चौड़े आकार वाले विमानों के लिए उसके कुल ऑर्डर 60 हो गए हैं। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि उसने एयरबस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे एयरबस ए350-900 विमानों के उसके 70 खरीद अधिकारों में 30 को निश्चित ऑर्डर में बदलने की पुष्टि हुई है। कंपनी के मुताबिक,इंडिगो ने अपने चौड़े आकार के विमानों के ऑर्डर को अब 30 से बढ़ाकर 60 एयरबस ए350-900 विमान कर दिया है। दोनों पक्षों ने जून में इन अतिरिक्त 30 विमानों के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समय इंडिगो के पास 400 से अधिक विमानों का बेड़ा है। गौरतलब है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का विस्तार कर रही है। उसके पास अब 40 और ए350 श्रेणी के विमानों के खरीद अधिकार हैं।

सोलापुर में बाढ़ से 867 करोड़ रुपए का नुकसान

एजेंसी

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में हाल ही में आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर जनजीवन और कृषि क्षेत्र को प्रभावित किया है। जिले में बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन पूरा कर लिया गया है। प्रशासन ने 867 करोड़ रुपए के नुकसान की रिपोर्ट सरकार को भेज दी है।इस आपदा से जिले की अर्थव्यवस्था को भारी धक्का लगा है, क्योंकि अधिकांश किसान अपनी फसलें और आजीविका दोनों गंवा चुके हैं। जिला कलेक्टर कुमार आशीर्वाद ने जानकारी दी कि बाढ़ से लगभग छह लाख चार हजार हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई है, जिसमें विभिन्न प्रकार की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। करीब 7.60 लाख किसान बाढ़ की चपेट में आए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से राहत पैकेज तैयार किया गया है और अगले एक-दो दिनों में किसानों के खातों में सहायता राशि जमा होनी शुरू हो जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि यह आर्थिक सहायता शीघ्र ही सभी पात्र किसानों तक पहुंचे ताकि वे अपने खेतों को दोबारा तैयार कर सकें और दीपावली से पहले कुछ राहत महसूस कर सकें। जिला योजना समिति की ओर से भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। कल से जिले के लगभग 15,000 सबसे अधिक प्रभावित परिवारों को दीपावली के लिए राशन किट उपलब्ध कराई जाएगी। किट में अठारह प्रकार की आवश्यक वस्तुएं शामिल की गई हैं, जिनमें चावल, दाल, तेल, मसाले, चीनी, नमक और अन्य दैनिक जरूरत की चीजें होंगी। इन राहत सामग्रियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए बड़े ट्रक और छोटे टेंपो की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन किटों का वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा ताकि हर जरूरतमंद तक यह सहायता समय पर पहुंचे। इसके अलावा, मंत्री जयकुमार गोरे ने भी दिवाली के अवसर पर एक विशेष पहल की है। उन्होंने

बताया कि 15,000 बाढ़ पीड़ित परिवारों को सरकारी राहत किट के साथ कपड़ों का उपहार भी दिया जाएगा। इसमें पुरुषों के लिए शर्ट-पैंट और महिलाओं के लिए साड़ियां शामिल हैं। जिला कलेक्टर आशीर्वाद ने कहा कि यह पहल बाढ़ पीड़ितों को न केवल आर्थिक बल्कि मानसिक रूप से भी सहारा देगी।

पीएलआई योजना के तहत एसी, एलईडी लाइट के लिए आवेदन की तिथि 10 नवंबर तक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एसी और एलईडी लाइट (व्हाइट गुड्स) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आवेदन की तिथि 10 नवंबर तक बढ़ा दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने व्हाइट गुड्स (एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट) के लिए पीएलआई योजना के चौथे चरण के लिए आवेदन अवधि 10 नवंबर, 2025 तक बढ़ा दी है। मंत्रालय के मुताबिक पात्र आवेदक 10 नवंबर, 2025 तक व्हाइट गुड्स श्रेणी के अंतर्गत पीएलआई पोर्टल https://pliwg.dpiit.gov.in पर अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। चौथे चरण के लिए आवेदन की अवधि पहले 15 सितंबर, 2025 से 14 अक्टूबर, 2025 तक थी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि उद्योग जगत की अत्यधिक रुचि और योजना के प्रति बढ़ते निवेश रुझान को देखते हुए इसे बढ़ाया गया है। यह व्हाइट गुड्स के उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत देश में एयरकंडीशनर और एलईडी लाइटों

के बढ़ते घरेलू विनिर्माण के प्रति विश्वास को दर्शाता है। इस योजना के पहले के चरणों में काफी निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुई हैं, जिससे संपूर्ण मूल्य श्रंखला में विनिर्माण क्षमता में वृद्धि व रोजगार सृजन में योगदान मिला है। उल्लेखनीय है कि व्हाइट गुड्स के लिए अप्रैल 2021 में 6 हजार 238 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ आरंभ की गई पीएलआई योजना का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना था। इस योजना का मकसद स्थानीय स्तर पर इसके प्रमुख घटक के उत्पादन प्रेरित करना और एयर कंडीशनर और एलईडी प्रकाश वस्तुओं के क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को मजबूत बनाना है।

कृषि के क्षेत्र में मध्य प्रदेश स्थापित कर रहा नये कीर्तिमान

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कृषि विकास और किसान कल्याण में मध्य प्रदेश सरकार प्राण-प्रण से जुटी हुई है। उत्पादक गतिविधियों में मध्य प्रदेश नवाचार कर रहा है। सरकार किसानों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है। प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उत्पादन में रिकॉर्ड दर्ज कर प्रदेश को अनेक अवार्ड हासिल हुए हैं। मप्र दालों के उत्पादन में देश भर में प्रथम स्थान पर, खाद्यान उत्पादन में द्वितीय स्थान पर और तिलहन उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। प्रदेश में त्रि-फसली क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। प्रदेश में नरवाई जलाने की घटनाओं में कमी (हतोत्साहित) करने के लिए प्रदेश में प्रभावी कार्यवाही की गई है। जनसम्पर्क अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा रबी 2024-25 में उपार्जित गेहूं पर 175 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी 2025 में लगभग 83.50 लाख से अधिक किसानों को करीब 1770 करोड़ रुपये किसान सम्मान निधि सिंगल क्लिक से अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत 81 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1624 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक के माध्यम से जमा की गई।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार भारत सरकार की प्राईस सर्पोट स्कीम अंतर्गत सोयाबीन का उपार्जन किया गया, जिसमें 2,12,568 कृषकों से कुल 6.22 लाख मीट्रिक टन मात्रा का उपार्जन किया गया है, जिसके न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि 3043.04 करोड़ है। श्रीअन्न के उत्पादन को बढावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू की है, जिसके तहत किसानों को 3900 रुपये प्रति हेक्टेयर डीबीटी के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वाईल हेल्थ कार्ड और सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि का लाभ भी मिल रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल के नुकसान का समय पर आकलन एवं राहत राशि का वितरण किसानों को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में नामांकन एवं दावा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, एनसीआईपी पोर्टल के साथ भूमि रिकॉर्ड को सफलता पूर्वक एकीकृत करने और पोर्टल को किसान अनुकूल बनाने के लिए मध्य प्रदेश को 'उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया है। नमो ड्रोन दीदी योजनांतर्गत मध्य प्रदेश में 89 दीदियों को स्वाबलंबी बनाया गया है। नमो ड्रोन से 4200 हेक्टेयर क्षेत्र में तरल उर्वरक का छिड़काव कर दीदियों ने 21.22 लाख रूपये की शुद्ध आय प्राप्त की है। वर्ष 2025-26 में 1066 दीदिओं को योजनांर्तगत लाभान्वित किया जा रहा है। [[जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि कृषकों द्वारा फसल अवशेष (पराली) जलाने से रोकने के लिये शासन द्वारा कई कदम उठाये गये है, जिसमें प्रदेश स्तर पर 46,800 से अधिक नरवाई प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित करते हुए 412 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी की गई है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन रही तेजी, सेंसेक्स 485 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। इस हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। प्रमुख बैंकों एवं पेट्रोलियम शेयरों में खरीदारी और विदेशी कोषों की लिवाली के दम पर लगातार तीसरे दिन बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 485 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी 25,700 के ऊपर बंद हुआ। बॉम्बे स?टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 484.53 अंक यानी 0.58 फीसदी उछलकर 83,952.19 अंक पर बंद हुआ है। कारोबार के दौरान एक समय यह 704.58 अंक बढ़कर 84,172.24 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स?टॉक एक?सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 124.55 अंक यानी 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ 25,709.85 के स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स में सबसे ज्यादा 4.18 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त में सफल रहे। वहीं, इंफोसिस, एचसीएल टेक, इटर्नल, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयर पिछड़ने वालों में शामिल रहे। इसके अलावा एशियाई बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कोस्पी सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि यूरोप के बाजार तेजी से नीचे कारोबार कर रहे थे।

बड़े उद्यमी कर रहे एमएसएमई नीति का दुरुपयोग, सरकार कसे शिकंजा

एजेंसी

नई दिल्ली। ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स का मामला पकड़ में आने के बाद यह सामने आया कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति (2012) में छोटे व्यवसायों को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए बनाए गए नियमों का उल्लंघन बड़े कॉरपोरेट घराने कर रहे हैं। लघु एवं सूक्ष्म उद्यमियों ने धोखाधड़ी करने वाली संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का सरकार से आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि 2012 में घोषित नीति के तहत यह प्रावधान किया गया था सभी प्रकार की सरकारी खरीद में कम से कम 25 फीसदी एमएसमई के लिए आरक्षित रखा जाए। ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग नामक कंपनी ने इस योजना का बेजा लाभ उठाया।

इस कंपनी ने कथित तौर पर झूठी घोषणाओं और रणनीतिक कॉरपोरेट पुनर्गठन के माध्यम से एमएसएमई योजना के तहत खूब लाभ उठाए हैं। पहले यह कंपनी एक साझेदारी फर्म के रूप में काम कर रही थी और फिर अप्रैल, 2021 में ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड में परिवर्तित हो गई। इस परिवर्तन के दौरान इसने अपने कारोबार और निवेश विवरण के बारे में गलत जानकारी देकर सूक्ष्म उद्यम श्रेणी के अंतर्गत पंजीकरण करा लिया। बाद में जांच में पाया गया कि कंपनी ने जिन वर्षों के वित्तीय आंकड़े बताए थे, उन वर्षों में वह निगमित भी नहीं थी और उसने सूक्ष्म उद्यम होने के लिए जानबूझकर शून्य कारोबार दिखाया था। बैलेंस शीट के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का कुल कारोबार 228 करोड़ रुपये से अधिक था, जो स्पष्ट रूप से मध्यम उद्यम श्रेणी में आता है। एक शिकायत के बाद महाराष्ट्र सरकार के उद्योग निदेशक ने गलत जानकारी की पुष्टि करने के साथ ही इसके पंजीकरण को रद्द करने की सिफ़ारिश भी कर दी। इसके बाद कंपनी ने इसका रिवर्स विलय एक दूसरी कंपनी प्रिसिजन कंटेनर्स लिमिटेड में कर दिया। इस विलय के बाद नई कंपनी ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का गठन कर लिया गया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा 1,213 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़कर 1,213 करोड़ रुपये रहा। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 913 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। सेंट्रल बैंक ने जारी बयान में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में उसका कुल कारोबार 14.43 प्रतिशत बढ़कर 6.45 लाख करोड़ रुपये से 7.38 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकारी स्वामित्व वाले बैंक के मुताबिक जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल जमा राशि 13.40 फीसदी बढ़कर 4.44 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3.92 लाख करोड़ रुपये थी। इस दौरान सेंट्रल बैंक की सकल गैर निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 3.01 फीसदी रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.59 फीसदी थी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का प्रमुख बैंक है, जिसकी स्थापना स्वदेशी आंदोलन से प्रभावित होकर एक पारसी बैंकर सर सोराबजी पोचखानवाला ने 1911 में की थी।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया Central Bank of India

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.18 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर

एजेंसी

मुंबई। अर्थव्यस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 2.18 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 27.6 करोड़ डॉलर घटकर 699.96 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में मुद्रा भंडार का अहम घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.60 अरब डॉलर घटकर 572.10 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 3.59 अरब डॉलर बढ़कर 102.36 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 13 करोड़ डॉलर घटकर 18.684 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 3.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.63 अरब डॉलर रह गया।

दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में सुधार के लिए कदम उठा रही है सरकार : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में सुधार के उपायों पर काम कर रही है, जिसमें चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत, घरेलू अन्वेषण को बढ़ावा देना और रीसाइक्लिंग एवं प्रसंस्करण में स्टार्टअप्स को शामिल करना शामिल है। केंद्रीय वणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली में एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसोचैम) के सालाना सम्मेलन और 105वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि व्यापारिक साझेदारियां संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी हों। गोयल ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि हाल के वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि अब वह मजबूत स्थिति में बातचीत करता है, जो देश के बढ़ते आर्थिक आत्मविश्वास और मुक्त व्यापार समझौतों एवं अन्य व्यापारिक व्यवस्थाओं के प्रति भारत के दृष्टिकोण के संदर्भ में वैश्विक स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने एमएसएमई को सशक्त बनाने और नवाचार एवं स्थिरता को बढ़ावा देने में एसोचैम की भूमिका पर भी जोर दिया, जो 2047 के विकासशील भारत के लिए आवश्यक है। गोयल ने कहा कि तांबा, लिथियम, निकल और कोबाल्ट जैसे दुर्लभ खनिज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों से लेकर लड़ाकू विमान तक कई उद्योगों के लिए जरूरी कच्चा माल हैं। ये खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी विनिर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। चिली, पेरू और ऑस्ट्रेलिया में इन खनिजों के भंडार मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौता लागू हो चुका है। दक्षिण अमेरिकी देशों चिली एवं पेरू के साथ भी बातचीत जारी है। भारतीय टीम अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए इन देशों का दौरा कर रही है। उन?होंने कहा कि चिली एवं पेरू जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ व्यापार समझौते की कोशिशों के पीछे दुर्लभ खनिजों की अहम भूमिका है। वाणिज?य मंत्री ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, ईएफटीए समूह और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए भारत के निर्यात को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार 10,000 करोड़ रुपये की 'कोषों का कोष' योजना के लिए दिशा-निर्देश तैयार कर रही है, जो स्टार्टअप फर्मों के लिए लंबी अवधि की वित्तीय सहायता पर केंद्रित है। गोयल ने कहा कि भारत घरेलू खोज बढ़ाने, अवशिष्ट से खनिज निकालने वाले स्टार्टअप और देश में प्रसंस्करण सुविधाओं के निर्माण पर भी विचार कर रहा है। वाणिज?य मंत्री ने उद्योग को आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की सलाह देते हुए कहा, ÷हमें अपने आपूर्ति श्रृंखलाओं का मूल्यांकन करना चाहिए कि क्या वे किसी एक देश पर अधिक निर्भर हैं। यदि निर्भर हैं, तो हम कमजोर हो सकते हैं, खासकर उस समय जब व्यापार को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।÷ उनका इशारा चीन की तरफ था जिसने दुर्लभ खनिज तत्वों के निर्यात पर बंदिशें लगा दी हैं, जिससे दुनिया भर में इन खनिजों की आपूर्ति बाधित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक दृष्टिकोण भारत को अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करने, निर्यात को बढ़ावा देने और निवेश एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के अवसर पैदा करने में सक्षम बनाता है, साथ ही ऐसे समझौतों से बचने में भी मदद करता है जो भारत की कीमत पर दूसरे पक्ष को अत्यधिक लाभ पहुंचा सकते हैं। मंत्री ने बताया कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ मज़बूत बना हुआ है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मज़बूत बुनियाद को दर्शाता है।

युद्धविराम उल्लंघन पर इजरायल-हमास के बीच आरोप-प्रत्यारोप, मृत बंधकों की वापसी में देरी

एजेंसी

काहिरा/तेल अवीव। इजरायल ने कहा कि वह गाजा पट्टी की रफाह सीमा को मिस्र के साथ फिर से खोलने की तैयारी कर रहा है, ताकि फिलिस्तीनियों को आवाजाही की अनुमति मिल सके। हालांकि उसने इसके लिए कोई निर्धारित तारीख व समय तय नहीं किया है। इस बीच युद्धविराम की शर्तों के उल्लंघन पर इजरायल और हमास के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है। खबरों के मुताबिक हमास द्वारा बंधकों के शवों की वापसी को लेकर विवाद बढ़ रहा है जिससे युद्ध विराम पटरी से उतार सकता है। इजरायल ने हमास से 28 मृत बंधकों के शव सौंपने की मांग की है। हमास का कहना है कि उसने 10 शव सौंप दिए, लेकिन इजरायल का कहना है कि उनमें से एक शव इजराइली बंधक का नहीं है। इस बीच गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायल ने 30 और फिलिस्तीनी शव सौंपे, जिससे सोमवार से अब तक सौंपे गए कुल शवों की संख्या 120 हो गई है। उधर हमास के सशस्त्र विंग ने कहा है कि अनेक बंधकों के शव उन बिल्डिंग्स के नीचे दबे हुए हैं जो इसरायली बमबारी में ध्वस्त हो गईं। इन शवों को निकालने के लिए भारी मशीनरी और खुदाई उपकरणों की जरूरत है।

चार माह से भी कम समय में पद से हटाए गए मंगोलियाई पीएम जंदनशतार

उलानबटार। चीन के पड़ोसी देश मंगोलिया के प्रधानमंत्री गोम्बोजाविन जंदनशतार को उनके पद से हटा दिया गया। उनके खिलाफ 71 सांसदों ने सदन के तीन-चौथाई सदस्यों की उपस्थिति में जंदनशतार को बर्खास्त करने के पक्ष में मतदान किया। देश में व्यापक भ्रष्टाचार और कमजोर घरेलू अर्थव्यवस्था को लेकर जनता के गुस्से के बीच हाल के वर्षों में मंगोलियाई राजनीति में अस्थिरता की लहरें उठ रही थीं। मंगोलियाई संसद ने शुक्रवार को इस आशय का एक प्रस्ताव पारित कर मीडिया को इसकी जानकारी दी। फिलहाल, जंदनशतर अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति होने तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में पद पर बने रहेंगे। देश में सत्तारूढ़ मंगोलियाई पीपुल्स पार्टी (एमपीपी) में आंतरिक कलह भी प्रधानमंत्री जंदनशतार के इस्तीफे को कारण माना जा रहा है। यह राजनीतिक उथल-पुथल ऐसे समय पर हो रहा है जबकि अगले वर्ष का बजट अभी तक संसद से पारित नहीं हुआ है। दूसरी ओर शिक्षक भी बजट में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर इस सप्ताह हड़ताल पर चले गए, चिकित्सक भी हड़ताल करने की धमकी दे रहे हैं।

ओली ने चुनाव बहिष्कार की घोषणा की, अध्यक्ष पद भी नहीं छोड़ने का फैसला

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अंतरिम सरकार द्वारा घोषित आम चुनाव के बहिष्कार करने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद भी छोड़ने से इनकार कर दिया है। नेकपा एमाले पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक के अंतिम दिन समापन भाषण में ओली ने कहा कि सुशीला कार्की सरकार का गठन ही अवैधानिक है। इसलिए अवैधानिक सरकार द्वारा कराए जाने वाले चुनाव में सहभागी होने का कोई औचित्य नहीं है। ओली ने कहा कि संविधान के दायरे से बाहर जाकर इस सरकार का गठन किया गया, इसलिए यह सरकार असंवैधानिक है। ओली ने दावा किया कि उन्होंने पद छोड़ते समय राष्ट्रपति को संविधान के दायरे में रहकर राजनीतिक समाधान ढूंढने के लिए पत्र लिखा था, लेकिन बाहरी दबाव में सुशीला कार्की को लाकर जबरदस्ती प्रधानमंत्री बना दिया गया। ओली द्वारा चुनाव बहिष्कार की घोषणा का तत्काल ही पार्टी के दो उपाध्यक्ष अष्ट लक्ष्मी शाक्य और युवराज ज्ञवाली ने विरोध किया। इस दौरान केंद्रीय समिति की बैठक में कुछ देर तक हंगामा भी हुआ। ओली के विरोधी गुट के नेता चुनाव बहिष्कार नहीं करने की मांग करने लगे, लेकिन ओली ने कहा कि बहुमत सदस्यों का मत है कि असंवैधानिक सरकार द्वारा कराए जाने वाले चुनाव को वैधानिकता नहीं दी जा सकती है। केन्द्रीय समिति की बैठक में ओली से अध्यक्ष पद छोड़ने की मांग पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वो अध्यक्ष पद नहीं छोड़ने जा रहे हैं।

रूस ने पकड़े गए 15 यूक्रेनी सैनिकों को सजा सुनाई

मॉस्को। दक्षिणी रूस की एक अदालत ने रूसी सेना द्वारा पकड़े गए 15 यूक्रेनी सैनिकों को आतंकवाद के आरोपों में दोषी ठहरातें हुए उन्हें 15 से 21 साल तक के कारावास की सजा सुनाई है। इस बीच यूक्रेन ने इस मुकदमे की निंदा करते हुए इसे पाखंड और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक खोस्तोव-ऑन-डॉन की सैन्य अदालत ने 'ऐदर' बटालियन के 15 सैनिको को दोषी ठहराते हुए 15 से 21 साल तक के कारावास की सजा सुनाई। रूस ने यूक्रेन की सेना को एक आतंकवादी समूह घोषित किया है। यूक्रेनी युद्धबंदियों के खिलाफ मार्च के बाद से चलाया गया यह दूसरा सामूहिक मुकदमा है। इससे पहले कुलीन अज़ोव ब्रिगेड के 23 सैनिकों को इसी तरह के आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इस बीच यूक्रेन के मानवाधिकार दूत, दिमित्रो लुबिनेट्स ने 2023 में इस मुकदमें के शुरू होने पर इसे शर्मनाक करार देते हुए आरोप लगाया था कि रूस अपनी मातृभूमि की रक्षा करने वालों को अपराधी बना रहा है।

हमास ने एक और मृत बंधक का ताबूत इजराइल को सौंपा

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल के सैन्य अधिकारी आज सुबह एक और बंधक के शव का ताबूत लेकर गाजा पट्टी से यहां पहुंचे। इस ताबूत में अवशेष हैं। हमास ने शुक्रवार देररात ताबूत रेडक्रॉस को सौंपा। इसके बाद रेडक्रॉस के अधिकारी ताबूत को लेकर गाजा-इजराइल सीमा पर पहुंचे और उसे इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के अफसरों के हवाले कर दिया। ताबूत को तेल अवीव के अबू कबीर फोरेंसिक संस्थान पहुंचाया गया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ ताबूत को इजराइली झंडे लपेटा और तत्काल इजराइल के लिए रवाना हो गए। इससे पहले फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने कहा था कि उसने सभी मृत बंधकों को वापस कर दिया था। हमास ने कहा था कि और भी शव मलबे में दबे हो सकते हैं, उसे खोजने में वक्त लगेगा। अगर आज सौंपे गए शव की पहचान इजराइली बंधक के रूप में हो जाती है तो 18 और बंधकों के शव की वापसी बाकी रह जाएगी। युद्धविराम

समझौते में हमास ने 28 शव लौटाने पर सहमति जताई थी। आईडीएफ ने कहा कि रेडक्रॉस ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में हमास से यह ताबूत लिया। यहां सुबह की फुटेज और तस्वीरों में हमास के आतंकी हमाद टाउन आवासीय परिसर में खुदाई करते दिखाई दे रहे थे। अरब मीडिया ने तो एक बंधक का नाम भी लिया है, जिसका शव संभवतः उस इलाके में एक सुरंग में दबा हुआ था। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने शनिवार तड़के एक्स पोस्ट में बंधकों के परिवारों से आधिकारिक पहचान की प्रतीक्षा करने का आग्रह किया है। शुक्रवार देररात एक पोस्ट में, आईडीएफ ने कहा कि रेडक्रॉस दक्षिणी गाजा पट्टी में बैठक स्थल की ओर जा रहा है, जहां एक मृतक बंधक का ताबूत उसे सौंप दिया जाएगा। हमास की सशस्त्र शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड्स ने कहा था कि वह शव सौंप रही है। यह घोषणा हमास के बुधवार को दिए गए उस बयान के बाद आई ,जिसमें कहा गया था कि उसने गाजा में मौजूद सभी इजरायली बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं। गाजा शांति योजना में हमास से 13 अक्टूबर तक सभी शेष बंधकों (20 जीवित और 28 मृत) को सौंपने का आह्वान किया गया था।

काठमांडू में फिर निषेधाज्ञा लागू, दो माह तक सभा-जुलूस, धरना व प्रदर्शन पर रोक

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू जिला प्रशासन ने एक बार फिर काठमांडू के संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा जारी कर दिया है। शनिवार से दो महीने तक के लिए राजधानी के विभिन्न स्थानों पर किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। काठमांडू के प्रमुख जिलाधिकारी ईश्वर राज पौडेल की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक 18 अक्टूबर से 18 दिसंबर तक काठमांडू के पांच संवेदनशील स्थानों के आसपास निषेधाज्ञा जारी किया गया है। इस सूचना के मुताबिक निषेधाज्ञा वाले स्थानों पर किसी भी राजनीतिक दल, संगठन या किसी भी समूह अथवा व्यक्ति द्वारा सभा, सम्मेलन, धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, नारेबाजी करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। काठमांडू जिला प्रशासन ने राजधानी स्थित राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, सिंहदरबार क्षेत्र और नारायणहिटी राजदरबार के आसपास के क्षेत्रों में निषेधाज्ञा जारी किया है। राष्ट्रपति भवन के चारों ओर की सड़कों और आसपास के पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र को भी निषेधाज्ञा क्षेत्र घोषित किया गया है। इसी तरह उपराष्ट्रपति भवन से लेकर उसके पास रहे भारतीय राजदूतावास के आसपास के क्षेत्र में प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे ही सिंहदरबार से लेकर सुप्रीम कोर्ट, अटॉर्नी जनरल दफ्तर, काठमांडू पुलिस हेडक्वार्टर, आर्मी हेडक्वार्टर के आसपास भी निषेधाज्ञा जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने राजदरबार के आसपास के क्षेत्रों को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है।

जेन जी विद्रोह के दौरान मानवीय-भौतिक क्षति का विवरण सेना ने किया सार्वजनिक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की सेना ने बीते 8 और 9 सितंबर को हुए जेन जी विद्रोह के दौरान हुए मानवीय और भौतिक क्षति का विवरण सार्वजनिक किया। नेपाली सेना के लेफ्टिनेंट जनरल अनूप जंग थापा ने पत्रकार वार्ता में कहा कि इन दो दिनों के प्रदर्शन के दौरान मारे गए 76 लोगों में मृतक प्रदर्शनकारियों की संख्या सिर्फ 22 है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान तीन पुलिस वाले, जेल से भाग रहे 10 कैदी और आगजनी तोड़फोड़ एवं झड़प में सहभागी 41 लोगों की मौत हुई है।

जनरल थापा ने बताया कि 8 और 9 सितंबर को देशभर में कुल 484 स्थानों पर प्रदर्शन हुआ था। 9 सितंबर को हुई तोड़फोड़ और आगजनी के दौरान 688 सरकारी भवन में आगजनी होने की जानकारी दी गई है। इसी तरह 259 नेताओं के घर को आग के हवाले किया गया जबकि 198 स्थानों पर रहे राजनीतिक दल के कार्यालय में आग लगा दी गई। सेना ने बताया कि जेन जी प्रदर्शन के दौरान 198 व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और तोड़फोड़ की गई। इनमें काठमांडू के हिल्टन

होटल, हयात रिजेंसी जैसी फाइव स्टार होटल भी शामिल है।ऐसे ही 307 पुलिस चौकी को भी आग के हवाले कर दिया गया था।

09 सितंबर को देशभर में जेलब्रेक की घटना में कुल 15,588 कैदी के फरार होने की जानकारी देते हुए सेना ने बताया कि शुक्रवार तक 8799 कैदी या तो वापस हो चुके हैं या उन्हें गिरफ्तार किया जा चुका है। अभी भी 6789 कैदी के फरार होने की जानकारी दी गई है। 09 सितम्बर को ही विभिन्न पुलिस चौकी में आगजनी और तोड़फोड़ के दौरान हथियार लूटने की भी घटना हुई। सेना ने इस बारे में कहा कि उस दिन 978 बंदूके लूट ली गई थी, जिनमें 586 हथियार पुलिस ने बरामद कर लिया है।

चीन में भ्रष्टाचार के आरोपों में दो शीर्ष सैन्य नेता सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और सेना से निष्कासित

एजेंसी

बीजिंग। चीन में भ्रष्टाचार के आरोपों में दो शीर्ष सैन्य नेताओं को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और सेना से निष्कासित कर दिया गया है। ये दोनों अधिकारी 2023 में शुरू हुए भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में हटाए जाने वाले सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं।

देश के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि देश में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद दूसरे स्थान पर रहे जनरल, हे वेइदोंग और सेना के पूर्व शीर्ष राजनीतिक अधिकारी, नौसेना एडमिरल मियाओ हुआ, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान में निशाने पर आने वाले नवीनतम वरिष्ठ सैन्य अधिकारी हैं। चीन में 1966-1976 की सांस्कृतिक क्रांति के बाद से केंद्रीय सैन्य आयोग से किसी पदासीन जनरल को हटाया जाना पहली बार हुआ है। मार्च के बाद से इन दोनों अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया , लेकिन चीनी अधिकारियों ने उनकी गतिविधियों की जाँच का पहले खुलासा नहीं किया था। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग के अनुसार जनरल हे,

एडमिरल मियाओ और सात अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन किया है और उन पर एक बहुत बड़ी 'धनराशि'से जुड़े गंभीर अपराधों का संदेह है। प्रवक्ता ने बताया कि इन सभी के अपराध गंभीर प्रकृति के थे, जिनके बेहद हानिकारक परिणाम होते। इसे पार्टी और सेना के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया है। भ्रष्टाचार में जिन अन्य अधिकारियों के नाम सामने आए हैं, उनमें पीएलए राजनीतिक कार्य विभाग के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी हे होंगजुन, केंद्रीय सैन्य आयोग के संयुक्त अभियान कमान केंद्र के वांग शिउबिन, पूर्वी थिएटर कमान के पूर्व कमांडर लिन जियांगयांग और पीएलए सेना एवं नौसेना के दो पूर्व राजनीतिक कमिश्नर शामिल हैं।

'दोहा शांति वार्ता पर ग्रहण, काबुल से इस्लामाबाद के रिश्ते बिगड़े'- हमला कर बोला पाकिस्तान

एजेंसी

इस्लामाबाद। कतर सरकार की मध्यस्थता में शांति वार्ता के लिए दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के जल्द ही दोहा में मिलने की उम्मीद टूटने की कगार पर पहुंच गई है। यह शांति वार्ता आज शुरू होनी थी। पाकिस्तान के रक्षामंत्री के ताजा बयान से संकेत मिलता है कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को फिर से निशाना बनाया। अफगानिस्तान में यह हमले पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के तुरंत बाद हुए हैं। इस्लामाबाद और काबुल के दो दिवसीय युद्धविराम को बढ़ाए जाने के कुछ ही घंटे बाद हुए हमले से कतर के प्रयासों को गहरा धक्का लगा है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के सूरक्षा सूत्रों ने दावा किया कि अंगूर अड्डा क्षेत्र और अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के उरगुन और बरमल जिलों में प्रतिबंधित हाफिज गुल बहादुर समूह के ठिकानों पर सटीक हमले किए गए। हमले में कथित रूप से दर्जनों लड़ाके मारे गए। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह

मुजाहिद ने कहा कि हमारी सेनाएं जवाब देने के लिए तैयार हैं। इस बीच पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों ने दावा किया है कि अफगान सरकार और पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम समझौते में आतंकी संगठनों और उनके ठिकानों पर हमले करने की बात नहीं कही गई है। पाकिस्तानी सेना की ओर से कोई बयान नहीं आया है, लेकिन हाफिज गुल बहादुर समूह से जुड़े आतंकवादियों ने मीर अली के खादी किले पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है, जहां एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को सैन्य शिविर के मुख्य द्वार से टकराकर घुसपैठ की कोशिश की थी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) का भी नुकसान के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन सुरक्षा सूत्रों ने दावा किया है कि उन्होंने सभी हमलावरों को ढेर करके हमले को नाकाम कर दिया है। रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर एक बयान में कहा कि काबुल के साथ रिश्ते अब पहले जैसे नहीं रहेंगे।

उन्होंने लिखा, अब विरोध पत्र या शांति की अपील नहीं होगी। कोई प्रतिनिधिमंडल काबुल नहीं जाएगा। आतंकवाद का स्रोत चाहे कहीं भी हो, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आसिफ ने अफगानिस्तान पर भारत की गोद में बैठकर पाकिस्तान के खिलाफ साजिशें रचने का भी आरोप लगाया और कहा कि इस्लामाबाद अब काबुल के साथ पहले जैसे रिश्ते नहीं रख सकता।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने विदेशी राजदूतों को बुलाकर समय पर निर्वाचन संपन्न कराने में मदद की अपील की

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने छह महीने के भीतर संसदीय चुनाव कराने और शांतिपूर्वक निर्वाचित सरकार को सत्ता हस्तांतरित करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए इसमें सभी कूटनीतिक नियोग से सहयोग की अपील की है। विदेश मंत्रालय में आयोजित एक राजनयिक ब्रीफिंग में बोलते हुए, प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि अंतरिम सरकार का एकमात्र ध्यान 5 मार्च, 2026 को प्रतिनिधि सभा के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनाव कराने पर है। उन्होंने कहा कि चुनाव संपन्न करने में काठमांडू स्थित विदेशी नियोग की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। पीएम कार्की ने कहा, सरकार सहित सभी राज्य तंत्र विश्वसनीय चुनावों के लिए आवश्यक सुरक्षा, कानूनी ढांचे और रसद प्रबंधन सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा, हम चुनाव आयोग को मजबूत कर रहे हैं, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा रहे हैं और सभी राजनीतिक दलों, हितधारकों और जेन-जी प्रतिनिधियों के साथ निरंतर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आंतरिक स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। कार्की ने कहा कि बहुदलीय लोकतंत्र हमारी राजनीतिक प्रणाली की आधारशिला है और लोकतांत्रिक मूल्यों तथा मानदंडों के प्रति प्रतिबद्धता ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। प्रधानमंत्री कार्की ने यह भी साझा किया कि सरकार अस्थायी रूप से विदेश में रहने वाले नेपाली नागरिकों के चुनावी अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए बाहरी मतदान तंत्र शुरू करने की संभावना तलाश रही है। उन्होंने कहा इसे पूरा करने में सभी देशों के राजदूतावास से सहयोग की अपेक्षा है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर हवाई हमला, आठ क्रिकेट खिलाड़ियों समेत अनेक लोग मारे गए

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई हिस्सो में पूरी रात हमला किया है। पक्तिका प्रांत के आर्गन और बिरमल जिलों में हुए ताजा हमलों में आठ अफगान क्रिकेट खिलाड़ियों सहित कई लोग मारे गए हैं। दोहा में शांति वार्ता के दौरान अस्थायी युद्धविराम को बढ़ाने के दौरान हुए हमलों से सीमावर्ती इलाकों में तनाव है। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की शनिवार की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान की सेना ने आर्गन और बरमाल जिलों के कई इलाकों को निशाना बनाया है। मारे गए और घायल लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हवाई हमलों में आठ क्रिकेटर भी मारे गए हैं। अफगान

क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने बताया है कि खिलाड़ी प्रांतीय केंद्र से अपने जिले लौट रहे थे। तभी उन्हें निशाना बनाया गया। अफगान मीडिया के अनुसार, ये हमले ज्यादातर आवासीय क्षेत्रों में हुए। हताहतों की पूरी जानकारी आनी बाकी है। अफगानिस्तान की तुलूअ न्यूज की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के काबुल में किए गए हवाई हमले में दर्जनों घर और स्कूल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। क्षतिग्रस्त घरों में से एक में अपने परिवार के छह सदस्यों के साथ रह रहे 50 वर्षीय अब्दुल रहीम मुख्य पीड़ितों में से एक हैं। हालांकि हमले के समय उनका परिवार घर पर नहीं था। अब्दुल हमले से भयभीत हैं। एक अन्य प्रभावित निवासी, हबीबुल्लाह ने कहा कि उनके घर पर रॉकेट से हमला किया गया है। घर के बगल में एक स्कूल था। उस पर भी हमला हुआ। इस स्कूल में 500 से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। तुलूअ न्यूज की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 48 घंटों के दौरान पाकिस्तान पर हुए हमले में 40 लोग मारे गए और 170 लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि हमलों में सीधे तौर पर नागरिक घरों को निशाना बनाया गया।

ट्रंप और जेलेंस्की की वार्ता के बाद यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

वाशिंगटन/लंदन। यूरोपीय नेताओं ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के साथ एक वर्चुअल कॉल में यूक्रेन के प्रति अपने दृढ़ समर्थन को दोहराया। ब्रिटेन के डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान में कहा कि यूरोपीय नेताओं ने रूसी आक्रामकता के बावजूद यूक्रेन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता जताई।

सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रवक्ता ने कहा- यूक्रेन के लिए एक न्यायसंगत और स्थायी शांति ही इस युद्ध को हमेशा के लिए रोकने का एकमात्र तरीका है। प्रवक्ता ने बताया कि नाटो महासचिव मार्क रूट ने भी इस कॉल में हिस्सा लिया। सभी नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि युद्धविराम से पहले और बाद में

वे यूक्रेन का समर्थन कैसे कर सकते हैं, इस बारे में चर्चा जारी रहेगी। इससे पहले ट्रंप और जेलेंस्की के बीच व्हाइट हाउस में तीसरी बार हुई बातचीत के बाद यूक्रेन में युद्ध के भविष्य को लेकर मतभेद उभरे। जेलेंस्की ने अपने शीर्ष सहयोगियों के साथ ट्रंप से कई घंटों तक मुलाकात की। सूत्रों ने इसे तनावपूर्ण और असहज बातचीत बताया। ट्रंप ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन को रूस में दूर तक मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें नहीं मिलेंगी। बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद ट्रंप ने यूक्रेन में युद्धविराम पर जोर दिया।

पेरू में जेनेरेशन 'जेड' के हिंसक प्रदर्शन

एजेंसी

लीमा, (पेरू)। नेपाल और फ्रांस के बाद अब पेरू में नए राष्ट्रपति जोस जेरी के इस्तीफे की मांग को लेकर जेनेरेशन जेड के हिंसक प्रदर्शनों में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। हालांकि जेरी ने इस्तीफा देने से साफ इंकार कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार प्रदर्शनों में लगभग 100 लोग घायल भी हुए, जिनमें 80 पुलिसकर्मी और 10 पत्रकार शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि वे एक प्रदर्शनकारी की गोली लगने से हुई मौत की घटना की जांच कर रहे हैं। इस बीच जेरी ने स्थानीय मीडिया से बातचीत में कहा, देश की स्थिरता बनाए रखना मेरी ज़िम्मेदारी और मेरी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि वह देश में अपराध से निपटने के लिए बल प्रयोग से भी गुरेज नहीं करेंगे। युवाओं के लिए बेहतर पेंशन और वेतन की मांग को लेकर एक महीने पहले शुरू हुए विरोध प्रदर्शन अपराध, भ्रष्टाचार और सरकार के प्रति मोहभंग के कारण व्यापक रूप ले चुके हैं। एक दशक से भी कम समय में सातवें राष्ट्रपति बने जेरी के 10 अक्टूबर को शपथ ग्रहण करने के बाद ही प्रदर्शनकारियों ने उनसे और अन्य सांसदों से इस्तीफा देने की मांग की। इस बीच अभियोजक कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि वह 32 वर्षीय प्रदर्शनकारी और हिप-हॉप गायक एडुआर्डो रुइज़ की मौत की जाँच कर रहा है। अभियोजकों के अनुसार, हज़ारों युवाओं के सामूहिक प्रदर्शन के दौरान उन्हें गोली मारी गई थी। कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा कि उसने इस मामले में बैलिस्टिक साक्ष्य एकत्र करने का आदेश दिया है।

गंभीर आरोपों में फंसे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन जमानत पर रिहा

एजेंसी

वाशिंगटन। ग्रीनबेल्ट कोर्टहाउस मैरीलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन को निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया। वह इन दिनों ट्रंप के मुखर आलोचक हैं। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पर गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग करने का आरोप है। उन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण करते हुए निर्दोष होने की दलील दी।द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय बोल्टन ने अदालत में अपना पक्ष रखा। उन्होंने सुनवाई के दौरान कहा कि अति गोपनीय राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्रसारित करने और उसे अपने पास रखने के 18 मामलों में वह पूरी तरह निर्दोष हैं। जज टिमोथी सुलिवन ने बोल्टन को निजी मुचलके पर जमानत प्रदान करते हुए रिहा कर दिया। जज ने अगली सुनवाई की तारीख 21 नवंबर तय की।

उल्लेखनीय है कि हाल के हफ्तों में आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले ट्रंप के तीसरे मुखर विरोधी बोल्टन पर गुरुवार को अभियोग लगाया गया। इसमें उन पर

दो अनधिकृत व्यक्तियों के साथ ई-मेल के जरिए गोपनीय फाइलें साझा करने का आरोप है। बोल्टन ने रिहा होने के बाद पत्रकारों से बात नहीं की, लेकिन गुरुवार को एक बयान में उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि वे न्याय विभाग को हथियार बनाने का नवीनतम निशाना बन गए हैं। बोल्टन पर अभियोग न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स और पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी के खिलाफ आपराधिक आरोप दायर करने के बाद लगाया गया है। 66 वर्षीय जेम्स पर 9 अक्टूबर को वर्जीनिया में बैंक धोखाधड़ी और 2020 में नॉरफॉक, वर्जीनिया में खरीदी गई एक संपत्ति से संबंधित झूठे बयान देने के आरोप में है।

64 वर्षीय कॉमी ने 8 अक्टूबर को कांग्रेस को झूठे बयान देने और कांग्रेस की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी से सार्वजनिक रूप से जेम्स, कॉमी और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल में बोल्टन का जिक्र तो नहीं किया, लेकिन उन्होंने पहले भी अपने पूर्व सहयोगी पर निशाना साधा था और जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के तुरंत बाद सुरक्षा व्यवस्था वापस ले ली थी। ट्रंप ने गुरुवार को बोल्टन को बुरा आदमी कहा। बोल्टन ने द रूम व्हेयर इट हैपेंड नामक आलोचनात्मक किताब लिखकर ट्रंप को नाराज कर दिया है। वह यह तक कह चुके हैं कि ट्रंप राष्ट्रपति बनने के योग्य नहीं। जनवरी से ट्रंप ने कथित राजनीतिक दुश्मनों के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए हैं।

बीएमसी का आदर्श विकास-पथ है जम्मू के लिए मार्गदर्शक

– चंद्र मोहन शर्मा

पर्यटक हो अथवा कोई यात्री, ये सभी वहीं आकर्षित होते है जहाँ उनके नेत्रों को शीतलता, हृदय को संतोष, जंघाओं को विश्राम, मस्तिष्क को प्रेरणा एवं गौरव की अनुभूति हो; कानों को संगीत, जिह्वा और उदर को प्रलोभित करने वाले व्यंजन तथा हाथों को उनकी कला प्रदर्शित और अनुभव करने की सामग्री भी उपलब्ध रहनी चाहिए।

ऐसे स्थान, या तो सघन मानवीय बस्तियों से दूर, प्रकृति की गोद में ही मिल सकते हैं अथवा मानव निर्मित विलक्षण, मनमोहक कृति में; फिर चाहे वे पूर्वजों अथवा समसामयिक अभियंताओं, शिल्पकारों और वैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए समृद्ध एवं संपन्न महल, किले, बाज़ार, भवन, मंदिर, गुफाएं धर्मस्थल, शौर्यस्थल अथवा ऐतिहासिक स्मारक हों अथवा भव्य उद्यान और आधुनिक थीम पार्क ही क्यों न हों।

आज कल के समय में इन सभी स्थानों पर पर्यटकों और यात्रियों की संख्या पर्याप्त रूप से बढ़ती रहे, इसके लिए तीव्र संचार साधनों की उपलब्धता, उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं आपदा प्रबंधन की सुविधा, सुगम यातायात के साधन भी आवश्यक हो गए हैं। सुरम्य और मनमोहक पर्यावरण और प्रौद्योगिकी का उपयोग इन स्थलों के आकर्षण में चार चाँद लगा देते हैं।

धरोहरों में इन सभी गुणों की प्रचुर मात्रा में उपस्थिति का अनुभव हम जम्मू कश्मीर के 14 सदस्यीय पत्रकार समूह को तब हुआ जब पिछले दिनों पत्र सूचना कार्यालय जम्मू कश्मीर द्वारा प्रायोजित और पत्र सूचना कार्यालय मुंबई के सहयोग से हमें अध्ययन हेतु मुंबई जाने का सुखद अवसर प्राप्त हुआ। इस दल का नेतृत्व भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय जम्मू कश्मीर की निदेशक सुश्री नेहा जलाली कर रही थीं। व्यवस्था और संपर्क का दायित्व कश्मीर कार्यालय के श्री रफ़ाज़ अहमद मीर निभा रहे थे। इनके अतिरिक्त इस दल में प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के जम्मू कश्मीर प्रमुख श्री अनिल भट्ट और जम्मू संभाग के 4 और कश्मीर संभाग के 7 पत्रकार थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस

मुंबई में जब हमने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को ध्यान से देखा तो फिर समझ में आया कि मुंबई का आकर्षण इतना अधिक क्यों है, और भारत का हर कोई नागरिक, यहाँ तक कि विदेशी पर्यटक भी, मुंबई क्यों देखना चाहते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, पूर्व में जिसे विक्टोरिया टर्मिनस कहा जाता था, यह भारत की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई का एक ऐतिहासिक रेलवे-स्टेशन है, जो मध्य रेलवे, भारत का मुख्यालय भी है। यह भारत के व्यस्ततम स्टेशनों में से एक है, जहां मध्य रेलवे की मुंबई में, व मुंबई उपनगरीय रेलवे की मुंबई में समाप्त होने वाली रेलगाड़ियां रुकती व यात्रा पूर्ण करती हैं। आंकड़ों के अनुसार यह स्टेशन ताजमहल के बाद; भारत का सर्वाधिक छायाचित्रित स्मारक है।

इतिहास है कि इस स्टेशन की अभिकल्पना फ्रेडरिक विलियम स्टीवन्स, वास्तु सलाहकार 1887-1888, ने 16.14 लाख रुपयों की राशि पर की थी। स्टीवन ने नक्शाकार एक्सल हर्मन द्वारा खींचे गये इसके एक जल-रंगीय चित्र के निर्माण हेतु अपना दलाली शुल्क रूप लिया था। इस शुल्क को लेने के बाद, स्टीवन यूरोप की दस-मासी यात्रा पर चला गया, जहां उसे कई स्टेशनों का अध्ययन करना था। इसके अंतिम रूप में लंदन के सेंट पैंक्रास स्टेशन की झलक दिखाई देती है। इसे पूरा होने में दस वर्ष लगे और तब इसे शासक सम्राज्ञी विक्टोरिया के नाम पर विक्टोरिया टर्मिनस कहा गया। सन 1996 में, शिव सेना की मांग पर, तथा नामों को भारतीय नामों से बदलने की नीति के अनुसार, इस स्टेशन का नाम, राज्य सरकार द्वारा सत्रहवीं शताब्दी के मराठा शूरवीर शासक छत्रपति शिवाजी के नाम पर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस बदला गया। 2 जुलाई, 2004 को इस स्टेशन को यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

इस स्टेशन की इमारत विक्टोरियन गोथिक शैली में बनी है। इस इमारत में विक्टोरियाई इतालवी गोथिक शैली एवं परंपरागत भारतीय स्थापत्यकला का संगम झलकता है। इसके अंदरूनी भागों में लकड़ी की नक्काशि की हुई टाइलें, लौह एवं पीतल की अलंकृत मुंडेरें व जालियां, टिकट-कार्यालय की ग्रिल-जाली व वृहत सीढ़ीदार जीने का रूप, बम्बई कला महाविद्यालय बॉम्बे स्कूल ऑफ आर्ट के छात्रों का कार्य है। यह स्टेशन अपनी उन्नत संरचना व तकनीकी विशेषताओं के साथ, उन्नीसवीं शताब्दी के रेलवे स्थापत्यकला आश्चर्यों के उदाहरण के रूप में खड़ा है।

मुंबई उपनगरीय रेलवे (जिन्हें स्थानीय गाड़ियों के नाम पर लोकल कहा जाता है), जो इस स्टेशन से बाहर मुंबई नगर के सभी भागों के लिये निकलतीं हैं, नगर की जीवन रेखा सिद्ध होतीं हैं। शहर के चलते रहने में इनका बहुत बड़ा हाथ है। यह स्टेशन लम्बी दूरी की गाड़ियों व दो उपनगरीय लाइनों - सेंट्रल लाइन, व बंदरगाह (हार्बर) लाइन के लिये सेवाएं देता है। स्थानीय गाड़ियां कर्जत, कसारा, पनवेल, खोपोली, चर्चगेट व डहाणु पर समाप्त होती हैं ।बृहन्मुंबई नगर निगम (बी. एम. सी.)

नियोजित कार्यक्रम के अनुसार हम बृहन्मुंबई नगर निगम (बी. एम. सी.) के मुख्यालय पहुंचे। इस ऐतिहासिक प्रथम श्रेणी के धरोहर भवन के विषय में हमारा मार्गदर्शन वहाँ के संरक्षण वास्तुकार ने किया। हमारा संवाद बी एम सी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी हुआ। पत्र सूचना कार्यालय मुंबई की उपनिदेशक श्रीमती जयदेवी पुजारी स्वामी भी मार्गदर्शन करती रहीं।

आपदा प्रबंधन विभाग की मुख्य अधिकारी सुश्री रश्मि लोखंडे, उप जनसंपर्क अधिकारी श्री गणेश पौराणिक, तटीय सड़क परियोजना के अभियंता श्री विजय ज़ोरे आदि ने बी एम सी की नागरिक सेवाओं, आधारभूत संरचनाओं के प्रबंधन, उपलब्धियों और नगरीय अभिशासन तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में अवगत किया।

लोखंडे ने बताया कि बीएमसी में लगभग 90,000 स्थायी और 1,00,000 संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं, जिससे यह विश्व की सबसे बड़ी नगर निकायों में से एक बन जाती है, जिसके कुल मिलाकर लगभग 2,00,000 कर्मचारी हैं। बीएमसी का वार्षिक बजट 75,000 करोड़ है, जिससे यह वैश्विक स्तर पर 18वीं सबसे बड़ी नगरपालिका निगम बनती है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6% का योगदान देती है।

बी एम सी महाराष्ट्र राज्य के राजधानी मुम्बई की नगर निगम हैं जो शहर का शासकीय नागरिक निकाय हैं। बीएमसी भारत का सबसे अमीर नगर निगम है। इसका वार्षिक बजट भारत के कुछ छोटे राज्यों से अधिक है। 1888 के बॉम्बे नगर निगम अधिनियम के तहत स्थापित, बीएमसी शहर और कुछ उपनगरों के नागरिक बुनियादी ढांचे और प्रशासन के लिए जिम्मेदार है। बृहन्मुंबई नगर निगम का गठन शहर के बुनियादी ढांचे में सुधार के कार्य के साथ किया गया है।

बॉम्बे में नगरपालिका प्रशासन 1805 से अस्तित्व में था। 18 वीं शताब्दी के अंत तक बॉम्बे का प्रशासन सीधे अध्यक्ष और परिषद द्वारा संचालित किया जाता था। हालाँकि, चूंकि नगर प्रशासन अक्षम था, इसलिए ब्रिटिश प्रशासन द्वारा कई प्रयास किए गए। पहला बड़ा बदलाव वर्ष 1865 में एक नगर निगम को एक निकाय कॉर्पोरेट के रूप में स्थापित किया गया और सर आर्थर क्रॉफर्ड को पहले नगर आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया।

इसके बाद 1872 में, बॉम्बे अधिनियम संख्या 3 के अधिनियमन के बाद, एक नियमित निगम की स्थापना की गई, जिसमें 64 निर्वाचित निगम थे, जो कर दाता थे और मतदान का अधिकार केवल करदाताओं तक ही सीमित था। सर फिरोज शाह मेहता ने 1872 के अधिनियम का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके कारण निगम की स्थापना हुई। सर मेहता ने 1873 में नगर आयुक्त के रूप में कार्य किया और 1884-86 में अध्यक्ष और 1905 और 1911 में प्रमुख के रूप में सेवा की। बॉम्बे में नगर पालिका सरकार के पिता के रूप में प्यार से जाने जाने वाले, सर मेहता की एक बड़ी प्रतिमा 1923 में उनकी स्मृति और सम्मान में स्थापित की गई थी और नगर निगम भवन को सुशोभित किया गया था।

बीएमसी का नेतृत्व एक आई ए एस अधिकारी करता है जो कार्यकारी शक्ति के साथ नगर आयुक्त के रूप में कार्य करता है। नगर आयुक्त मुंबई नगर निगम अधिनियम, 1888 के तहत अधिकारियों में से एक है। नगर आयुक्त मुंबई नगर निगम अधिनियम, 1888 की धारा 54 के तहत कार्यकारी शाखा के प्रमुख हैं।

जून 2008 तक, बीएमसी में सभी प्रशासनिक कार्य मराठी में किए गए थे, जिसके बाद बीएमसी ने अपने रुख को कम किया और अंग्रेजी में फॉर्म स्वीकार करना शुरू कर दिया ।यात्रा के चलते हमें बताया गया कि शहर के प्रशासन को सुविधाजनक बनाने के लिए इसे सात क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इसके अलावा, इन प्रत्येक सात क्षेत्रों में 3 से 5 वार्ड हैं। कुल मिलाकर, मुंबई को 24 प्रशासनिक वार्डों में विभाजित किया गया है जिन्हें वार्ड ए से वार्ड टी तक वर्णानुक्रम में क्रमबद्ध किया गया है। 24 प्रशासनिक वार्ड को आगे 227 नागरिक चुनावी वार्डों या निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है। 24 प्रशासनिक वार्डों में से सबसे छोटा बी-वार्ड है जिसमें केवल 3 चुनावी वार्ड हैं जबकि पी-नॉर्थ-वार्ड 16 चुनावी वार्डों के साथ सबसे बड़ा है।

प्रत्येक निर्वाचन वार्ड का नेतृत्व एक पार्षद (कॉर्पोरेटर) करता है। पार्षद चुनावी वार्ड का प्रभारी होता है और सामान्य रूप से इसके विकास के लिए जिम्मेदार होता है।

जैसा कि विधायी निकायों के मामले में है, पार्षदों के चुनाव के लिए चुनाव हर 5 साल में आयोजित किए जाते हैं। पिछला चुनाव 2017 में हुआ था।

पार्षदोंको आपस में एक महापौर का चुनाव करना होता है जो मुंबई का प्रथम नागरिक है। महापौरों की दो अलग-अलग भूमिकाएँ होती हैं-शहर की गरिमा का प्रतिनिधित्व करने और उसे बनाए रखने की सजावटी भूमिका और निगम के विचार-विमर्श की अध्यक्षता करने की कार्यात्मक भूमिका। महापौर का कार्यकाल 2.5 साल का होता है।

ब्राह्मुंबई नगर निगम अपने धरोहर भवनों का संरक्षण कैसे करता है?

ब्राह्मुंबई नगर निगम ने कई तरीकों से अपनी विरासत की इमारतों को संरक्षित किया है, जिसमें कानूनी ढांचे, समर्पित समितियों और जन जागरूकता अभियानों का संयोजन शामिल है। बृहन्मुंबई नगर निगम अपने विरासत भवनों का संरक्षण और प्रबंधन मुंबई हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी (रू॥ष्ट) के माध्यम से करता है, जिसे 1995 के विरासत विनियमों के तहत स्थापित किया गया था। यह प्रणाली भारत में शहरी विरासत संरक्षण में अग्रणी है।

प्रमुख रणनीतियाँ इस प्रकार हैं-

कानूनी ढाँचा- मुंबई देश का पहला शहर है जिसने 1995 में विरासत संरक्षण के नियम लागू किए। इन नियमों के तहत, शहर की 900 से अधिक इमारतों को कानूनी रूप से विरासत संरचना घोषित किया गया है। इन इमारतों को ध्वस्त या बिना अनुमति के बदला नहीं जा सकता है।

संरक्षण समितियाँ- मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने 1996 में मुंबई महानगर क्षेत्र हेरिटेज कंजर्वेशन सोसाइटी (रू॥ष्टस की स्थापना की। यह समिति अनुसंधान, दस्तावेजीकरण और संरक्षण परियोजनाओं के माध्यम से विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देती है। मुंबई विरासत संरक्षण समिति जैसी अन्य समितियाँ भी विरासत स्थलों से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा करती हैं।

जन जागरूकता और सक्रियता- कई संगठन और व्यक्ति शहर की विरासत के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए, खाकी टूर्स जैसी पहल लोगों को शहर के इतिहास और विरासत के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा मिलता है।

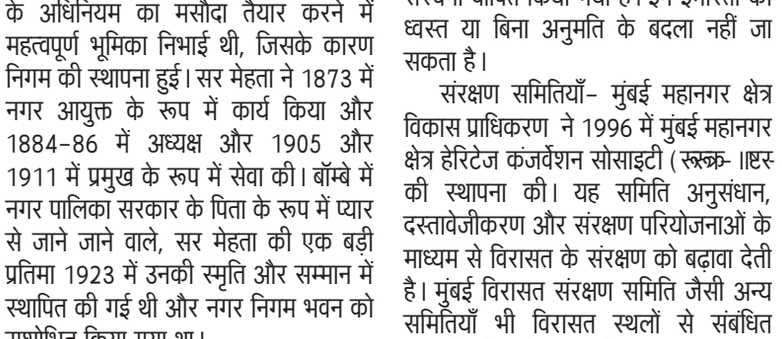

पुनरुद्धार और अनुकूलन- कई विरासत इमारतों को आधुनिक ज़रूरतों के हिसाब से ढालकर संरक्षित किया गया है, जिससे उनकी प्रासंगिकता बनी रहती है। उदाहरण के लिए, एसएनडीटी कन्याशाला जैसी इमारतों का जीर्णोद्धार करते हुए उनके मूल चरित्र को बनाए रखा गया है।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी- कुछ मामलों में, संरक्षण परियोजनाओं में सरकारी एजेंसियों और निजी संस्थाओं के बीच सहयोग देखा गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (स्ढ्ढ) भी विरासत प्रबंधन में निजी संस्थाओं की भागीदारी की योजना बना रहा है।

पुनर्स्थापन के उदाहरण-

मुंबई जीपीओ- इसके गुंबद के पुनर्स्थापन में हल्के और पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का उपयोग किया गया है।

एसएनडीटी कन्याशाला- इस इमारत में बर्मा टीक की लकड़ी और मिंटन टाइल्स को बरकरार रखा गया है।

कला डेको भवन- मरीन ड्राइव पर स्थित कला डेको भवनों को जलवायु परिवर्तन से बचाने के लिए नींव को मजबूत करने और जल निकासी प्रणाली में सुधार जैसी रणनीतियाँ अपनाई गईं हैं।

विश्व विरासत स्थल का दर्जा- मुंबई के विक्टोरियन गोथिक और आर्ट डेको एन्सेम्ब्ल्स को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिलना शहर के संरक्षण के प्रयासों को वैश्विक पहचान देता है। इन सभी प्रयासों ने मुंबई को एक ऐसे शहर के रूप में स्थापित किया है जो अपनी ऐतिहासिक पहचान को बनाए रखते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है।

सी एम शर्मा

बीएमसी की धरोहर बिल्डिंग

भारत का सबसे बड़ा म्युनिसिपल कारपोरेशन यानी बीएमसी की बिल्डिंग देखने लायक है. यह मुंबई के सीएसएमटी रेलवे स्टेशन के सामने है. यह दोनों ही इमारतें बहुत खूबसूरत हैं और यूनेस्को ने इन्हें वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया है. इन दोनों को ही ब्रिटिश आर्किटेक्ट फ्रेडरिक विलियम स्टीवंस ने डिज़ाइन किया था. आज ताज होटल, गेटवे ऑफ इंडिया और मुंबई की गुफाओं की तरह ही लोग दूर-दूर से इस बिल्डिंग को भी देखने आते हैं.

130 साल से भी पुरानी ये बीएमसी बिल्डिंग वेनिस गोथिक और इंडो-सरसेनिक शैली का मिश्रण है. इसका काम 1884 में शुरू हुआ था और 1893 में पूरा हुआ था. शुरुआत में बीएमसी का ऑफिस गिरगांव रोड पर एक छोटी सी बिल्डिंग में था. 1870 में इसे एस्प्लेनेड में शिफ्ट कर दिया गया और आखिरकार 1884 में सीएसएमटी स्टेशन के सामने इसकी नींव रखी गई.

बीएमसी की बिल्डिंग के अंदर मुख्य सीढ़ियां, हेरिटेज डोम, आंगन, अंदरूनी आंगन, कॉर्पोरेशन हॉल, मेयर का चैंबर, कमिश्नर का ऑफिस और स्टैंडिंग कमिटी हॉल बिल्कुल जीवंत दशा में हैं। इस टूर का अंत एक म्यूजियम में हुआ, जहां इस बिल्डिंग की तस्वीरें और वीडियो दिखाए गए। बीएमसी बिल्डिंग के सबसे ऊपर एक बहुत बड़ी मूर्ति है जिसके नीचे पत्थर पर लैटिन भाषा में लिखा है 'उर्ब्स प्राइमा इन इंडिस' जिसका मतलब है 'भारत का पहला शहर।

वित्त और राजस्व

बीएमसी एशिया के सबसे अमीर नगर निगमों में से एक है। दस वर्षों में, निगम ने शहर के लिए 2.19 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए, जो कुछ भारतीय राज्यों के 10 साल के बजट से अधिक है।

केंद्र और राज्य सरकार से निगम के लिए आय स्रोत निम्नलिखित हैं:-

करों से आय:- निगम के लिए कर संबंधी राजस्व निम्नलिखित स्रोतों से प्राप्त होते हैं:-

संपत्ति कर, पेशा कर, मनोरंजन कर, वस्तु एवं सेवा कर जैसे केंद्र और राज्य सरकार से अनुदान, विज्ञापन कर।

गैर-कर स्रोतों से आय:- निगम के लिए गैर-कर संबंधी राजस्व निम्नलिखित स्रोतों से प्राप्त होते है:-

जल उपयोग शुल्क, प्रलेखन सेवाओं से शुल्क, नगरपालिका की संपत्ति से प्राप्त किराया, नगरपालिका बांडों से धन।

बीएमसी का आपदा प्रबंधन विभाग

इस यात्रा के अंतर्गत हमारा अगला गंतव्य मुंबई आपदा प्रबंधन सेल रहा, जिसे बृहन्मुंबई नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के रूप में भी जाना जाता है। यह प्रकोष्ठ आधुनिकतम कंप्यूटराइज्ड कंट्रोल रूम से युक्त एक महत्वपूर्ण इकाई है जो आपदाओं से जूझने की तैयारी, रोकथाम और प्रतिक्रिया के लिए काम करती है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं से मुंबई को सुरक्षित रखना है। इस प्रकोष्ठ के मुख्य कार्य हैं:-

आपदा प्रबंधन- यह बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन, और आग जैसी आपदाओं की स्थिति में तत्काल सहायता और राहत प्रदान करता है।

आपातकालीन समन्वय- यह विभिन्न सरकारी विभागों, आपातकालीन सेवाओं और गैर-सरकारी संगठनों के बीच समन्वय स्थापित करता है।

हेल्पलाइन सेवाएं- यह आपदा के दौरान नागरिकों के लिए चौबीसों घंटे चलने वाला आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराता है।

सूचना का प्रसार:- यह आपदा से संबंधित जानकारी और चेतावनी को लोगों तक पहुँचाने का काम करता है। जागरूकता अभियान- यह आपदाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने और उनकी तैयारी में मदद करने के लिए कार्यक्रम चलाता है। संपर्क जानकारी:-इस प्रकोष्ठ द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1916 है और अन्य नंबर है 022-22694725 ।यह सेल मुंबई के शहरी और उपनगरीय दोनों क्षेत्रों में सक्रिय रहता है। आपदा प्रबंधन विभाग की मुख्य अधिकारी सुश्री रश्मि लोखंडे ने बताया कि बीएमसी का आपदा प्रबंधन विभाग 1999 के लातूर भूकंप के बाद स्थापित किया गया था, और 26 जुलाई 2008 के मुंबई हमलों के बाद नियंत्रण कक्ष का विस्तार किया गया तथा उसे तकनीकी रूप से उन्नत बनाया गया। आज, मुंबई के हर प्रशासनिक वार्ड में एक कार्यात्मक नियंत्रण कक्ष है, जो बाढ़, चक्रवात और भूकंप जैसी प्राकृतिक या मानव-निर्मित आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करता है। लोखंडे ने जोर देकर कहा, मुंबई भारत की वित्तीय राजधानी है — यहाँ जीवन को सभी चुनौतियों के बावजूद चलते रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, बीएमसी का हर विभाग लगातार तत्परता की स्थिति में कार्य करता है ताकि नागरिक सेवाएँ बिना किसी व्यवधान के जारी रह सकें।

संरक्षण और प्रबंधन के मुख्य तरीके इस प्रकार हैं-

1. विरासत सूची और ग्रेडिंग

पहचान और सूचीबद्ध करना- बीएमसी ने विभिन्न वास्तुकला फर्मों और शोध समूहों के सहयोग से शहर की विरासत इमारतों की एक विस्तृत सूची तैयार की है। 1995 के विरासत विनियमों में इस सूची को वैधानिक समर्थन दिया गया था।

विरासत ग्रेड- इमारतों को उनकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, स्थापत्य या सौंदर्य संबंधी महत्व के आधार पर विभिन्न ग्रेड (ग्रेड 1, 2अ, 2ब, और 3) दिए जाते हैं। प्रत्येक ग्रेड के लिए अलग-अलग संरक्षण नियम हैं-

ग्रेड 1- इन इमारतों के बाहरी या आंतरिक हिस्से में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता, सिवाय तब जब इमारत को मजबूत करना या उसका जीवन बढ़ाना आवश्यक हो। कोई भी बदलाव मूल स्वरूप के अनुरूप होना चाहिए।

ग्रेड 2 और 3- इन इमारतों में कुछ संशोधन या पुनर्निर्माण की अनुमति होती है, लेकिन इसके लिए मुंबई हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी की मंजूरी लेनी होती है और इमारत के विरासत चरित्र को बनाए रखना होता है।

2. अनुमति और निगरानी

पूर्व अनुमति आवश्यक- विरासत सूची में शामिल किसी भी इमारत में मरम्मत, नवीनीकरण या पुनर्निर्माण के लिए मुंबई हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी से पहले अनुमति लेना अनिवार्य है।

कड़ी निगरानी- मुंबई हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी एक निगरानी निकाय के रूप में काम करता है, जो विरासत नियमों के उल्लंघन पर नजर रखता है और उल्लंघन पर लगाम लगाता है। यह विरासत भवनों के मालिकों और वास्तुकारों को मरम्मत और नवीनीकरण के संबंध में दिशानिर्देश देता है।

प्रक्रिया और समीक्षा- मुंबई हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी की बैठकें होती हैं, जिनमें विरासत परियोजनाओं से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की जाती है। इन बैठकों के मिनट सार्वजनिक किए जाते हैं, जिनमें अनुमति प्राप्त कार्यों का विवरण होता है, जैसे कि मरम्मत, पुनर्निर्माण और संरक्षण।

3. नियामक ढाँचा

DCPR-2034- हाल ही में, विकास नियंत्रण और संवर्धन विनियम (DCPR-2034) के तहत, विरासत क्षेत्रों में इमारतों की ऊंचाई के लिए भी नियम बनाए गए हैं, जिन्हें आयुक्त की विशेष अनुमति के बिना 32 मीटर से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता।

सरकारी सहयोग- महाराष्ट्र सरकार ने इन नियमों को लागू किया है, जिससे मुंबई भारत का पहला शहर बन गया जिसने विरासत भवनों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की।

सक्षम प्राधिकरण- नगर आयुक्त के पास विरासत संरक्षण से जुड़े मामलों पर विशेष अधिकार होते हैं, हालांकि वे अक्सर मुंबई हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी की सलाह लेते हैं।

संक्षेप में, मुंबई नगर निगम विरासत संरक्षण के लिए एक संगठित और विनियमित ढाँचा अपनाता है, जो मुंबई हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी के माध्यम से विरासत इमारतों की ग्रेडिंग, सख्त अनुमति प्रक्रियाओं और निगरानी पर आधारित है।

जम्मु कश्मीर के जम्मू संभाग में धरोहरों के संरक्षण का एक संक्षिप्त अवलोकन-

मुंबई की धरोहर संरक्षण व्यवस्था को देखते हुए जम्मू संभाग की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की वर्तमान स्थिति पर नज़र डालें तो यह पाएंगे कि प्राचीन धरोहर जैसे मंदिर, ऐतिहासिक किले और प्राकृतिक स्थलों के संरक्षण को लेकर काफी सारी चुनौतियाँ भी हैं। यहाँ एक निष्पक्ष समीक्षा का प्रयास किया गया है, जिसमें कुछ प्रमुख धरोहरों के संरक्षण और पर्यटन विकास की वर्तमान स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

धरोहरों की वर्तमान स्थिति- सकारात्मक पहलू

जम्मू-कश्मीर सरकार ने विरासत स्थलों के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए कई परियोजनाएँ शुरू की हैं। वर्ष 2025 में, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए स्थानों को विकसित करने और मौजूदा बुनियादी ढाँचे को सुधारने की योजनाएँ सामने आई हैं। यहाँ की लोक कला, संगीत और हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया जा रहा है। श्री माता वैष्णो देवी जी कटरा और शिव खोरी जैसे धार्मिक स्थल बड़ी संख्या में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं।

नकारात्मक पहलू और चुनौतियाँ

कुछ ऐतिहासिक इमारतें, जैसे कि मुबारक मंडी पैलेस कॉम्प्लेक्स का एक हिस्सा अभी भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है और उसके पुनरुद्धार के लिए अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। पूर्व में तो जैसे इसे जान बूझ कर नजरअंदाज किया गया। बहुत से कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थल, जैसे कि सरथल, आदि ऐसे भी हैं जहाँ पर्यटकों के ठहरने और परिवहन की उचित व्यवस्था की कमी है।

जम्मू के कुछ प्रमुख धरोहरों की समीक्षा और आगे की राह

1. मुबारक मंडी पैलेस कॉम्प्लेक्स, डोगरा शासकों का पूर्व शाही निवास, अपनी अनूठी राजस्थानी स्थापत्य शैली के लिए जाना जाता है। यह ऐतिहासिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका एक बड़ा हिस्सा उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण हालत में है। जिन शिलाओं एवं पहाड़ियों पर यह टिका है, वे निरंतर सरकती जा रही हैं। इस परिसर के पूर्ण जीर्णोद्धार और रखरखाव के लिए अभी भी एक एकीकृत योजना की आवश्यकता है। इसे एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र के रूप में शीघ्रातिशीघ्र विकसित किया जाना चाहिए। इसका जीर्णोद्धार बहुत समय ले रहा है।

2. बाहु किला एक अनुमान के अनुसार 3000 साल से अधिक पुराना है । यह किला एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्मारक है और इसकी वास्तुकला दर्शनीय है। किले के आसपास के क्षेत्र में कुछ विकास कार्य हो रहे हैं, परंतु किले के ऐतिहासिक महत्व को उजागर करने के लिए बेहतर मार्केटिंग और जानकार व्यावसायिक गाइड की व्यवस्था की जानी चाहिए।

3. अखनूर के पास बौद्ध विरासत (अम्बरन) में बौद्ध मठ के अवशेष पाए गए हैं जो दूसरी से पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व के हैं। यह स्थल ऐतिहासिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी भी इसकी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं किया गया है। इस बौद्ध स्थल के बारे में अधिक जागरूकता फैलाने और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है।